हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

23, फरवरी, 1987

खण्ड 1 अंक 1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार, 23 फरवरी, 1987

पृश्ठ संख्या

राज्पाल का अभिभाशण सदन की मेज पर रखी गई प्रति	(1)1
अध्यक्ष द्वारा घोशणा– चौधरी हनुमान सिंह, एम0 एल0 ए0 की मृत्यु	(1)17

सम्बन्धी	
भाोक प्रस्ताव	(1)17
अध्यक्ष द्वारा घोशणा– (i) पैनल आफ चेयरमैन	(1)30
(i) कमेटी औन पैटी ान्ज	(1)31
अनुपस्थिति की अनुमति	(1)31
सचिव द्वारा घोशणा	
राश्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलों सम्बन्धी	(1)32
बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की पहली रिर्पोट	(1)32
सदन की मेज पर रखे गए/पुनः रखे गए कागज–पत्र	
(क) सिंचाई तथा बिजली मंत्री द्वारा	(1)35
(ख) सचिव द्वारा	(1)36
(ग) सिचाईं तथा बिजली मंत्री द्वारा	(1)36
सिलैक्ट कमेटी की रिपोर्ट पे ा करना	

इंडियन इलैक्ट्रिसिटी (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1986 सम्बन्धी	(1)37
ब्रीच ऑफ प्रिविलेज के माससलों सम्बन्धी प्रिविलेजिज कमेटी की प्रिलिमिनरी रिपोर्ट पे ा करना तथा अन्तिम रिपोर्ट पे ा करने के लिए समय बढ़ानाः—	
(i) 24—5—1982 की राजभवन में हरियाणा के राज्यपाल का कथित अपमान करने, गाली देने तथा बल—प्रयोग करने के लिए चौधरी देवी लाल, एम0 एल0 ए0 के विरूद्ध	(1)37
(ii) 24—6—1982 को सदन में राज्यपाल के अभिभाशण के अवसर पर उनके कथित अविचार सम्बन्धी चौधरी देवी लाल, एम0 एल0 ए0 के विरूद्ध	(1)38
(iii) चौधरी हरद्वारी लाल, उप—कुलपति, महर्शि दयानन्द यूनिवर्सिटी रोहतक के विरूद्ध	(1)39
(iv) 16—9—1985 के दैनिक इंडियन ऐक्सप्रैस में छपे एक समाचार के सम्बन्ध में डा0 भीम सिंह दहिया, एम0 एल0 ए0 के विरूद्ध	(1)39

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 17 फरवर्री, 1986

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ में 15–30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की।

राज्यपाल का अभिभाशण

(सदन की मेज पर रखी गई प्रति)

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहिबान, हरियाणा विधान सभा के रूल्ज औफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट औफ बिजनैस के रूल 18 के अनुसार मैं आपको यह सूचना देना चाहता हूं कि कांस्टीच्यू ान के आर्टिकल 176(1) के अनुसार गवर्नर साहब ने आज 23 फरवरी, 1987 को 2.00 बजे बाद दोपहर हरियाणा विधान सभा के सामने ऐड्रैस देने की कृपा की हैं।

एड्रैस की एक कापी टेबल औफ दी हाउस पर रखी जाती हैं।

''अध्यक्ष महोदय एवं माननीय सदस्यो,

मुझे हरियाणा विधान साभा के इस वर्श के प्रथम अधिवे ान मे आप सब का स्वागत करते हुए अत्यधिक प्रसन्नता हो रही हैं।2. वर्तमान विधान सभा के इस अधिवे ान में आप

मुख्य रूप से बजट तथा आर्थिक विशयों पर विचार–विम र्ा करेंगे। मुझे वि वास हैं कि आप इस सत्र को अत्यन्त सौजन्य तथा परस्पर तालमेल एवं हरियाणा के लोगों के उत्तम हितों को ध्यान में रखते हुए सम्पन्न करेंगे। आप के विचार–विम र्ा से, पूर्वानुसार राज्य के पूर्ण सामजिक एवं आर्थिक विकास के लिए नीतियों को दि ाा–निर्दे ा देने हेतु, मेरी सरकार को आव यक तथा बहुमूल्य मार्ग द र्ान मिलेगा।

3. मेरी सरकार ने प्रगति की तीव्र को बनाए रखा हैं, जिस से हरियाणा का नाम विख्यात हो गया हैं। विकास के लाभ अधिक से अधिक लोगों को वि ोशकर गरीब से गरीब और समाज के अन्य कमजोर वर्गो के व्यक्तियों को भी प्राप्त हैं।

4. सीमित उपादानों के बावजूद भी हम समूची प्रकार की प्रगति एवं उन्नति कर सके हैं। कानून व्यवस्था साम्प्रदायिक एकता को बनाए रखने हेतु हमें अधिक ध्यान देना पड़ा हैं। मुझे खु ाी हैं कि हमारे पड़ोसी राज्य मेुं कुछ गुमराह लोगों की अ ाान्तिपूर्ण हिंसात्मक और उत्तेजक गतिविधियों के बावजूद भी हम विभिन्न समुदायों में पूर्ण एकता कायम कर सके हैं। अपनी अति महत्वपूर्ण स्थिति के दृश्टिगत राश्ट्रीय अखंडता और साम्प्रदायिक एकता को सुदृढ़ बनाने के लिए मेरी सरकार अनथक प्रयास कर रही हैं।

5. यह दुर्भाग्य की बात हैं कि सतलुज यमुना योजक नहर के निर्माण में जो पंजाब समझौते की भातों के अनुसार 15 अगस्त, 1986 को पूरा होना था हरियाणा द्वारा इस परियोजना के लिए अपने हिस्से की निधियों देते रहने के बावजूद भी अनूचित देरी हो गई हैं। मेरी सरकार इस मामले में सदा चौकस रही हैं और सरकार द्वारा हाल ही में लिए गये निर्णय कि नहर के निर्माण पर हरियाणा द्वारा किये गयेव्यय की समस्त धन रा ि ा की प्रतिपूर्ति की जाएगी और इस सम्बन्ध में भविश्य में होने वाले व्यय का वहनल किया जाएगा, से मेरी सरकार के हरियाणा के लिए न्यायोचित जल के हिस्से को अपने सीमित स्त्रोंतों पर दबाव पड़े बिना प्राप्त करने के संकल्प को और बल मिलता हैं। मेरी सरकार इस बात पर भी जोर दे रही हैं। कि सतलुज यमुना योजक नहर के निर्माण कार्य को भीघ्र पूर्ण करने के लिये केन्द्रीय सरकार इस कार्य को अपने अधीन ले ले। इसी प्रकार से मुझे वि वास हैं कि मेरी सरकार वि व के सर्वोत्तम नगर के रूप में अपनी राजधानी के निर्माण पर होने वाली समस्त लागत को केन्द्रीय सरकार से प्राप्त करने में समर्थ होगी।

6. कानून और व्यवस्था, भान्ति और स्थिरता हमारे राज्य की प्रगति के लिए बुनियादी आधार हैं। मेरी सरकार साम्प्रदायिक एकता एवं मैत्री बनाये रखने के लिए तथा हरियाणा के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षा की भावना प्रदान करने के लिए वचनवद्ध हैं। वर्श 1986 के दौरान पड़ौसी राज्य में असामान्य तथा

अ ाान्त परिस्थितियों का हमारे राज्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। सभी समुदाय परस्पर मेल एवं वि वास की भावना प्रेरित करने में सफल रही हैं।

अपराध स्थिति पूर्णतया नियन्त्रण में रही हैं। जघन्य अपराधों और स्त्रियों के अपराधों को समाप्त करने के लिए वि ोश प्रयत्न किये जा रहे हैं। पुलिस बल को आधुनिक बनाने के कार्यक्रमों से कार्य क्षमता बढ़ेगी तथा लोगों की अधिक सेवा की जा सकेगी। वर्दी पहने हुए पुलिस बल के सभी सदस्यों को 20 रूपए प्रति मास जमा करवाने पर हरियाणा राज्य परिवहन में निः ाुल्क यात्रा करने की स्वीकृति की गई हैं। सभी हरियाणा स ास्त्र पुलिस कमियों को, उप अधीक्षक पुलिस से लेकर नीचे के अन्य वर्गो तक, 100 रूपये प्रति मास एक ही दर पर रा ान भत्ता देने की स्वीकृति दी गई हैं। हम ने, इस के अतिरिक्त, पुलिस महाविद्यालय, मधुवन के अमले को वर्दी, नगर प्रतिपूर्ति भत्ता वि ोश भत्ता भी दिया हैं।

7. मुझे यह कहते हुए हर्श हो रहा हैं कि हरियाणा ने आर्थिक रूप से अत्यधिक उन्नति की हैं। सुलभ अनुमानों से स्पश्ट होता हैं कि हरियाणा राज्य की आय 1970–71 के स्थिर मूल्यों के आधार पर 1985–86 में 1.784 करोड़ रूपये तक बढ़ गई हैं। यह बढ़ौतरी वर्श 1984–85 की आय पर 12.6 प्रति ात हैं। वर्श 1986–87 में, 2000 लोगों को मकानों के लिए भूमि अलाट करने के लक्ष्य को केवल पूरा ही नहीं किया गया अपितु इस में वृद्धि भी

हुई हैं चूंकि जनवरी, 1987 तक 2541 मकान बनाने के लिए भूमि प्लाट अलाट किये गए हैं। वर्श 1986–87 में 10000 पंम्पिग सैट लगाने का लक्ष्य हैं। 10138 सैट जनवरी, 1987 तक पहले ही लगा दिये गये हैं। मार्च, 1987 तक 25000 पंम्पिग सैट लगाने के लिए प्रयत्न किए जा रहे हैं। वर्श 1986–87 में 725 लाख वृक्ष लगाने के लक्ष्य के मुकाबले मैं वर्श के प्रथम दस महीनों के दौरान 643. 90 लाख वृक्ष लगाए जा चुके हैं। वर्श 1987–88 की वार्शिक योजना में 585.75 करोड़ रूपये बिजली क्षेत्र के लिए तथा 162.75 करोड़ रूपये का परिव्यय सिंचाई तथा बाढ़ नियन्त्रण क्षेत्र के लिए स्वीकृत हुआ हैं।

8. मेरी सरकार ने योजना को जिला स्तर पर अर्थपूर्ण बनाने के लिए योजना के विकेन्द्रीकरण को आरम्भ किया हैं। विकेन्द्रीकरण योजना स्कीम के लिए 5.50 करोड़ रूपये की रा ि रखी गई हैं, जिस का 20 प्रति ात, हरिजन चौपालों तथा हरिजन बस्तियों में विकास कार्यो पर खर्च किया जायेगा और अन्य 20 प्रति ात, उन भाहरी क्षेत्रों की गंदी बस्तियों के सुधार और विकास कार्यो पर खर्च किया जाएगा, जिनमें अनुसूचित जातियों तथा समाज के अन्य कमजोर वर्गो के लोग रहते हैं। इससे लोगों की वाछित जरूरत का पता चलेगा और उन्हें भीघ्रता से पूरा किया जा सकेगा।

9. नये 20–सूत्री कार्यक्रम को लागू करना मेरी सरकार की विकास नीति का मूल आधार रहा हैं। आर्थिक सहायता

कार्यक्रम के अन्तर्गत (वर्श 1986–87 के 67588 परिवारों के अनन्तिम लक्ष्य के मुकाबले) जनवरी , 1987 तक 60139 लाभनुभोगियों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई हैं, जिनमें से 39281 परिवार अनुसूचित जातियों के थे। केवल समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम (आई0 आर0 डी0 पी0) के अन्तर्गत 485.33 लाख रूपये तक की आर्थिक सहायता दी गई हैं तथा 1017.93 लाख रूपये का ऋण वितरित किया गया हैं। जनवरी 1987 अन्त तक राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम (एन0 आर0 ई0 पी0) तथा ग्रामीण भूमि–हीन रोजगार गारन्टी कार्यक्रम (आर0 एल0 ई0 जी0 पी0) के अन्तर्गत क्रम ाः 15 लाख तथा 14 लाख श्रम दिवस हैं। वि ोश उपायों द्वारा गन्दी बस्तियों की मूल सुविधाओं में सुधार लाया गया और जनवरी, 1987 तक 22288 लोगों को लाभ हुआ। सम्भावना हैं कि वर्श 1986–87 के अन्त तक 34000 गन्दी बस्तियों के निवासियों को इस के अन्तर्गत लाने के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया जाएगा। पीने के साफ सुथरे जल की सुविधांए जुटाना मेरी सरकार का एक प्राथमिक कार्यक्रम हैं और चालू वर्श के पहले दस महीनों में 360 समस्या वाले गावों को ये सुविधाएं दी गई हैं, जबकि वर्श 1986–87 के लिए 480 समस्या वाले गांवों को सुविधाएं देने का लक्ष्य हैं। मेरी सरकार नए 20–सूत्री कार्यक्रम को लागू करने की ओर निरन्तर अधिक ध्यान देती रहेगी।

विकास सम्बन्धी क्रियाकलापों के बढ़ने और आर्थिक वृद्धि हो जाने से, संस्थागत ऋण की आव यकता भी बढ़ गई हैं।

गरीब से गरीब व्यक्ति को ब्याज की रियायती दर पर ऋण देने का राज्य में स्तर 1.87 प्रति ात तक पहुंच गया हैं, जबकि राश्ट्रीय लक्ष्य एक प्रति ात हैं। सितम्बर, 1986 के अन्त तक दी गई कुल 1105 करोड़ रूपये की बैंक पे ागियों मे से 71 प्रति ात से अधिक अथवा 785 करोड़ रूपये का सम्बन्ध प्राथमिक क्षेत्र से हैं, जबकि वर्श 1980 में यह 67 प्रति ात थी और इसके अन्तर्गत कृ शि, लघु और ग्रामीण उद्योग और अन्य छोटे–छोटे उद्यम लाये गये। राज्य सरकार ने प्र ि ाक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करने हेजु एक उद्यमवृत्ति विकास केन्द्र स्थापित करने का निर्णय लिया हैं। मुझे आ ाा हैं कि बैंक, राज्य के लोगों की कर्जे की बढ़ती हुई जरूरतों को पूरा करते रहेंगे।

10. क्षेत्रीय वि लेशण से पता चलता हैं कि प्राथमिक क्षेत्र में राज्य का निबल घरेलू उत्पाद स्थिर मूल्यों पर वर्श 1984–85 में 761.17 करोड़ रूपए से बढ़ कर वर्श 1985–86 में 861.49 करोड़ रूपये हो गया हैं जो कि 13.2 प्रति ात की वृद्धि हैं। यह वृद्धि वर्श 1985–86 के दौरान कृशि क्षेत्र में अच्छे रूपए और 357.06 करोड़ रूपए के हैं, जो कि 9 प्रति ात वृद्धि हैं। तृतीय क्षेत्र में वर्श 1985–86 के दौरान 14 प्रति ात वृद्धि रिकार्ड की गई।

11. हमारे समूच विकास का मुख्य आधार बिजली क्षेत्र हैं, जिसकी सफलता आर्थिक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण हैं। मेरी सरकार का इस क्षेत्र में मांग–पूर्ति अंतर को समाप्त करने के लिए

और भी अधिक जोर देने का प्रस्ताव हैं। मूल नीति नए बिजली संयन्त्र चालू करने और वर्तमान संय़त्रो के कार्य में सुधार लाने की हैं। कई नई परियोजनांए चालू की जा रही हैं। पानीपत तापीय परियोजना के 110 मैगावाट के तीसरे यूनिट ने वर्श के दौरान वाणिज्यिक तौर पर कार्य भाुरू कर दिया हैं और के तीसरे यूनिट ने वर्श के दौरान वाणिज्यिक तौर पर कार्य भाुरू कर दिया हैं और 110 मैगावाट वाला चौथा यूनिट भी चालू कर दिया गया हैं। चालू वित्त वर्श में पि चमी यमुना नहर परियोजना के अन्तर्गत बिजली घर ''ए'' (2x8 मैगावाट) भी चालू कर दिया गया हैं। इसी प्रकार, पि चमी यमुना नहर परियोजना के अन्तर्गत बिजली घर ''बी''(2x8 मैगावाट) मार्च/अप्रैल, 1987 तक चालू होने की सम्भावना हैं। परियोजना के बिजली घर ''सी'' (2x8 मैगावाट) और पानीपत तापीय परियोजना के 210 मैगावाट के पांचवे यूनिट का कार्य सन्तोशजनक रूप से चल रहा हैं और यह अगले वर्श के अन्त तक पूरा हो जाएगा। 1050 मैगावाट की आधारभूत क्षमता वाली यमुनानगर तापीय परियोजना के निर्माण की योजना बनाई गई हैं, जिस के प्रथम चरण को केन्द्र द्वारा सहमति दे दी गई हैं। परियोजना का प्रारम्भिक निर्माण कार्य भाुरू किया जा चुका हैं। दीर्घावधि योजना के भाग के रूप में मेरी सरकार ने पानीपत तापीय परियोजना में 210 मैगावाट के 6वी यूनिट के लिए परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी हैं। भविश्य में बिजली की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के विस्तार के लिए छः अन्य तापीय परियोजनाओं की सम्भाव्य रिर्पोट भी भारत सरकार को भेजी जा

चुकी हैं। सलाल, चमरा, दूलहस्ती, उड़ी, नाथपा–झाखड़ी थीन रिहद सुपर–थर्मल और नरोरा परमाणु परियोजना की केन्द्रीय बिजली उत्पादन परियोजनाओं से हिस्सा भी आगामी वर्शों में मिलने की सम्भावना हैं।

बिजली के प्रभावी वितरण के लिए, राज्य की वर्तमान पारेशण प्रणाली को, नये उप–स्टे ान बनाकर और वर्तमान उप–स्टे ानों की क्षमता बढ़ाकर, निरन्तर सुदृढ़ किया जा रहा हैं। वर्श 1986 के दौरान एक 220 के0 वी0 उप–स्टे ान, चार 132 के0 वी0 उप–स्टे ान, एक 66 के0 वी0 उप–स्टे ान, और छः नये 33 के0 वी0 33 के0 वी0 उप–स्टे ानों को अब तक बिजली दी गई हैं। अब तक पचास विद्यमान उप–स्टे ानों की क्षमता बढ़ा दी गई हैं तथा अन्य बीस की क्षमता को मार्च, 1987 तक बढ़ा दिया जाएगा।

12. कृशि के क्षेत्र में हरियाणा की सफलता का रहस्य सिंचाई ही हैं। हरियाणा के विस्तृत सूखा क्षेत्रों की सिचाई के कारण ही राज्य में खु ाहाली आई हैं। सिंचाई की क्षमता को बढ़ाने हेंतु किसानों के जल–मार्गो को पक्का करने और सिचाई प्रणाली को आधुनिक बनाने के लिए एक हैक्टेयर अतरिक्त क्षेत्र में सिचाई हो सकैंगी। इस वर्श में 24000 हैक्टेयर और क्षेत्र को सिचाई अधीन लाया जाएगा, जिससे कुल 1.40 लाख, अतिरिक्त हैक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई का लाभ होगा। समूची परियोजना से अब तक 15000 किलोमीटर जलमार्गो और 291 सरणि मार्गो तथा

नहरों को पक्का किया जा चुका हैं। आगामी वर्श में नहरों के आधुनिकीरण के लिए 19.92 करोड़ रूपये का उपबन्ध किया गया हैं। मेरी सरकार ने जल–मार्गो को पक्का करनं के खर्चे की लागत के रूप में किसानों से देय 113 करोड़ स्पये की समूची रा ि ा की बसूली माफ कर दी हैं। इससे किसानों को काफी लाभ होगा और कृशि उत्पादन की लागत कम करने में सहायता मिल सकेगी।

जे0 एल0 एन0 जवाहर लाल नेहरू नहर तथा लौहारू उठान सिंचाई स्कीम पर कार्य अभी तक चल रहा हैं और सम्भावना हैं कि स्कीमों के पूरा हो जाने पर 2.85 लाख हैक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र की सिचाई हो सकेगी। इस क्षमता को केवल तभी प्राप्त किया जा सकेगा यदि सिंचाई के लिए सतलुज–यमुना योजक नहर से राज्य को जल मिल जाए।

13. अतः सतलुज–यमुना योजक नहर, राजय के कल्याण के लिए बहुत महत्व पूर्ण परियोजना बन गई हैं। भारत सरकार ने मेरी सरकार को बार–बार वि वास दिलाया हैं कि नहर का निर्माण कार्य पूरा कर दिया जाएगा ताकि हरियाणा जल–स्त्रोतों से अपना जायज हिस्सा प्राप्त कर सके। जैसा कि मैंने ऊपर भी उल्लेख किया हैं कि भारत सरकार इस के निर्माण की समूची लागत भी बहन करेगी।

14. राज्य मे बाढ़ के खतरे वाले स्थानों पर बाढ़–सुरक्षा के निर्माण का कार्य किये जा रहे हैं। मसानी पर

साहिबी बांध के निकट भविश्य में पूरे हो जाने की संभवना हैं। इस से महेन्द्रगढ़ गुडगांव और रहोहतक जिलों के बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र साहिबी नदी की बाढ़ से बच जाएंगे। बाढ़ की रोकथाम के उपायों के परिणामस्वरूप बाढ़ के खतरे वाले 18.50 लाख हैक्टेयर में से लगभग 16 लाख हैक्टेयर क्षेत्र को बाढ़ से बचा लिया गया हैं। वर्श 1986–87 के दौरान बाढ़ नियन्त्रण, जल निकास तथा सेमरोधी स्कीमों के लिए 12 करोड़ रूपये का उपबन्घ किया गया हैं।

15. राज्य की अर्थ व्यवस्था में कृशि मुख्य आधार हैं और मेरी सरकार कृशि उत्पादन को सब से अधिक महत्व देती हैं। हरियाणा कृशि वि वविद्यालय द्वारा नई टैक्नोलाजी के विकास, कृशि विस्तार एजेन्सियों के माध्यम से इस टैक्नोलाजी का आगे प्रयोग, इंपुटों की सुलभ्ता तथा विपणन सहायता के परिणामस्वरूप कृशि उत्पादन में सूखे और नमी की अत्यधिक कमी के कारण विभिन्न फसलों का उत्पादन कम हुआ हैं। गत खरीफ मौसम के दौरान कुल खाद्यात्र उत्पादन लगभग 19.65 लाख टन होने का अनुमान हैं जबकि लक्ष्य 22.75 लाख टन हैं। राज्य के दक्षिण–पि चम जिलों में बाजरा उत्पादकों को सब से अधिक हानि हुई हैं। गत खरीफ के दौरान रूई का उत्पादन लगभग 8.90 लाख गांठो के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया, जबकि 1985–86 के दौरान यह 7.45 लाख गांठ था।

हमने चालू रबी मौसम के दौरान खरीफ कमी को पूरा कर लेने की अन्तिम आ ाा नहीं छोड़ी हैं, जिस के लिए 54.90 लाख टन का खाद्यात्र उत्पादन लक्ष्य नियत किया गया हैं और मूझे आ ाा हैं कि विभिंत्र उपायां से, जिस में किसानों को दी जा रही राहत भामिल हैं, हम न केवल रबी उत्पादन लक्ष्यों को ही प्राप्त करेंगे अपितु कुछेक मामलों में लक्ष्य बढ़ जाने की भी संभावना हैं। हाल ही में कुछ क्षेत्रों में ओलावृश्टि से नुक्सान हुआ हैं। इन गांवो की वि ोश गिरदावरी करने का आदे ा दिया गया हैं।

गत खरीफ के दौरान भारी नुकसान उठाने वाले किसानों को मेरी सरकार ने रबी फसल सफलतापूर्वक उगाने के काबिल बनाने हुतु विभिन्न रबी फसलों के बीजों पर 25 प्रति ात आर्थिक सहायता दी हैं। इस कार्य पर लगभग एक करोड़ रूपये खर्च होंगे। किसानों को गेहूं के खरपतवार नाि ायों के लिए 50 प्रति ात आर्थिक सहायता भी दी जा रही हैं, जिस पर लगभग 112 लाख रूप्ये की लागत आयेगी। मेरी सरकार, हिसार, भिवानी, महेनद्रगढ़, गुडगांव, फरीदाबाद, रोहतक तथा सोनीपत के सात सब से अधिक सूखाग्रस्त जिलों के किसानों को उर्वरकों पर 25 प्रति ात आर्थिक सहायता देने के लिए 2.50 करोड़ रूपये भी खर्च कर रही हैं। चालू वर्श के दौरान प्रमाणित बीजों की कुल खपत लगभग 2.13 लाख क्विटल होगी, जबकि 1985–86 के दौरान यह 1.54 लाख क्विंटल थी। चालू वर्श के दौरान उर्वरकों की खपत 4.

21 लाख टन, जो कि सब से अधिक हैं, हो जाने की संभावना हैं जबकि गत वर्श के दौरान यह खपत 3.72 लाख टन थी।

चालू वर्श से 42.38 लाख रूपये की लागत से राश्ट्रीय तिलहन विकास परियोजना और राश्ट्रीय दाल विकास परियोजना क्रियान्वित की जा रही हैं ताकि इन फसलों के उत्पवादन को बढ़ावा दिया जा सकें।

16. गत वर्शो की भातिं, 1987–88 में भी बागवानी और सब्जी उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोंतों के क्षेत्र में, वर्श 1987–88 में 2200 बायो गैस संयंत्र लगाए जाएंगे। राज्य में खेती बाड़ी की बढ़ी हुई पैदावार को कारगर ढेग से बेचने हेतु मेरी सरकार की योजना हैं कि वर्श1987–88 में चार नयी मार्किट कमेंटिया और 15 सब मार्किट यार्ड और 15 खरीद केन्द्र स्थापित किए जाएं। ये वर्तमान 98 मार्किट कमेटियों, 183 विकसित सब–मार्किट यार्डो और 113 खरीद केन्द्रों के अतिरिक्त होंगे।

17. मेरी सरकार के पास कृशि के साथ–साथ अन्य सहायक व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण योजनांए हैं। प ा पालन कार्यक्रमों का मुख्य उद्दे य दूध, अण्डों और ऊन के उत्पादन में वृद्धि करना हैं। इन उद्दे य को प्राप्त करने के लिए वर्श 1987–88 के दौरान 40 नयी प ा–चिकित्सा डिस्पैंसरियां खोली जाएंगी और 30 वर्तमान प ा–चिकित्सा डिस्पैंसरियों का

दर्जा बढ़ा कर उन्हें प ा–चिकित्सा अस्पताल बनाया जाएगा। चारा उत्पादन कार्यक्रम के अधीन 6000 परिवारों को 50 प्रति ात लागत पर चारे की मिनी किटें मुहैंया की जाएगी।

18. नीली क्रांति को जारी रखने के लिए मेरी सरकार ने मछली पालन के विकास हेतु सांतवी पंचवर्शीय योजना अवधि के दौरान 750 लाख रूपये नियत किए हैं, जिस में 168 लाख रूपये इस वर्श खर्च किए जाएंगे। वर्श 1987–88 में 16500 टन मछली तथा 350 लाख मछली बीज उत्पादन करने करने का प्रस्ताव हैं। इस से अनुसूचित जातियों के 370 परिवारों को लाभ मिलेगा और 1420 व्यक्तियों को प्र ाक्षिण तथा रोजगार मिलेगा, जिस के लिए वार्शिक योजना के अन्तर्गत वर्श 1987–88 के लिए 165 लाख रूपये का परिव्यय प्रस्तावित किया गया हैं। योजना आयोग ने हरियाणा में 3000 कि0 ग्रा0 प्रति हैक्टेयर औसतन मछली उत्पादन की सराहना की हैं और राज्य में दो अतिरिक्त मछली पालक विकास एजेन्सियां स्थापित करने की सिफारि ा की हैं।

19. खेती बाड़ी की पैदावार, स्वतः रोजगार, खेती उपज के वितरण तथा विक्रय, उपभोक्ता सामान की लगातार सप्लाई को सुनि चत करने, दूध के विक्रय, कृशि पर आधरित संसाधन–यूनिटों स्थापित करने और समाज के कमजोर वर्गो की आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के क्षेत्र में सहकारी समितियों का योगदान महत्वपूर्ण रहा हैं। आने वाले वर्श में 239 करोड़ रूपये

प्राथमिक सहकारी ऋण के रूप में दिए जाएंगे। हरियाणा राज्य सहकारी भूमि विकास बैंकों के माध्यम से 70 करोड़ रूपये का कुल ऋण देगा। सातवीं पंचवर्शीय योजना अवधि के दौरान आवास सहकारी समितियों अपने ि ाखर पर निकाय के माध्यम से समाज के माध्यम से समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो के लिए मकान बनाने हेतू वित्तीय सहायता देती रहेंगी। हरियाणा राज्य सहकारी सप्लाई तथा विपणन संघ्ज्ञ का इस वर्श एक चावल मिल और अगले वर्श एक और चावल मिल स्थापित करने का प्रस्ताव हैं। जो दूध सहकारी समितियों द्वारा दूध संग्रहण तथा वितरण प्रणाली के ढांचे को मजबूत बनाने के लिए सातवीं पंचवर्शीय योजना के अन्तर्गत 466.26 लाख रूपये के परिव्यय का प्रस्ताव किया गया हैं। गोहाना, भूना और कैथल में तीन नई सहकारी चीनी मिलों को लाईसैंस देने हेतु भारत सरकार विचार कर रही हैं।

20. राज्य में बनों के लिए उपलब्ध भूमि की कमी और खेती से बढ़े दबाव के परिणामस्वरूप बनों का उन्मूलन किया जा रहा हैं। इसलिए हरियाणा ने एक जोरदार वन नीति बनाई हैं। सातवीं पंचवर्शीय योजना के दौरान वन लगाने के लिए 64 करोड़ रूपये रखे गये हैं जिस के परिणामस्वरूप 1.22 लाख हैक्टेयर भूमि को वनों के अधीन लाया जाएगा। इससे राज्य का लगभग 3 प्रति ात भूमि क्षेत्र बन अधीन लाया जाएगा। इस से वस्तुतः विद्यमान वन क्षेत्र दुगुना हो जायेगा। चालूम वर्श के दौरान 27805

हैंक्टेयर वन क्षेत्र में वन लगाने तथ वन्य जीव विकास के लिए 1749 लाख रूपये खर्च किए जा रहे हैं। आगामी वर्श में वन लगाने तथा भू–संरक्षण कार्यक्रम के लिए 1989 लाख रूपये का परिव्यय प्रस्तावित किया गया हैं, जिस में 5 करोड़ पौधों की पैदावार और 21600 हैक्टेयर को वनों के अधीन लायें जाने का लक्ष्य भाामिल हैं। इस से 75 लाख श्रम दिनों का काम मिल सकेगा।

21. राज्य के जिलों में चल रहे विभिन्न विकास कार्यक्रमों में से राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम का भी उल्लेख किया जाना चाहिए, जिस से पायदा सामुदायिक परिसम्पत्तियों बनाने के साथ–साथ गरीब देहाती लोगों को रोजगार भी दिया जाता हैं। जनवरी, 1987 तक 10.04 लाख श्रम दिनों का काम जुटाये जाने की आ ाा हैं। ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारन्टी कार्यक्रम आर0 एल0 ई0 जी0 पी0 जिसका समूचा खर्च भारत सरकार द्वारा उठाया जाता हैं, के फलस्वरूप जनवरी, 1987 तक 11.35 लाख श्रम दिनों का भारी मात्रा में काम जुटाया गया हैं। वर्श 1987–88 में इस स्कीम के अधीन 13ण्06 लाख श्रम दिनों का काम निकालने का प्रस्ताव हैं, जिसके अन्तर्गत गावं में एक भूमिहीन परिवार के एक सदस्य को वर्श में 100 दिन तक के लिए रोजगार मिलेगा। 300 प्र ाक्षण पाठ्यक्रम के लिए और उन्नत चूल्हों के प्रद र्ान की राश्ट्रीय परियोजना के अन्तर्गत एक लाख उन्नत चूल्हे बनाने के लिए 1987–88 में 81.25 लाख स्पये के

बजट उपबन्ध का प्रस्ताव रखा गया हैं। ग्रामीण विकास बोर्ड, आद र्/फोकल गांव स्कीम को भी कार्यान्वित कर रहा हैं। इय यकीम कस उद्दे य न्यूनतम मूल आधुनिक सुविधांए, जैसे कि पक्की गलियों, नालियों की व्यवस्था करना और पंचायत घर और महिला मण्डल जैसी अन्य समुदायिक सुविधाएं देना हैं। आद र्ा गांव में किसानों को आसान किस्तों और ब्याजों की नाममात्र दर, यानि 3 प्रति ात से 5 प्रति ात वार्शिक भूमि पर काटे गए प्लाट आद र्ा गांवों के निवासियों को नि ाुल्क दिये जाते हैं। इस स्कीम के अन्तर्गत 5 आद र्ा गांव, 29 फोकल गांव लाये गए हैं और इन में विभिन्न विकासात्मक स्कीमों निश्पादित की जा रही हैं। आद र्/फोकल गांव स्कीम निश्पादित करने के लिए वर्श 1987–88 के दौरान 33.88 लाख रूपये के परिव्यय का प्रस्ताव किया गया हैं।

22. मेरी सरकार मेवात क्षेत्र के उत्थान और उसके समूचे विकास के लिये चिन्तित रही हैं। ग्रामीण पेयजल स्कीमों प्राथमिकता के आधार पर भाुरू की गई हैं और पईप जल की सुविधांए 491 गांवों में से 400 गावों को दी गई हैं। वर्श 1986–87 के दौरान 91 गांवों में कार्य तेजी से चलाया गया हैं और भाीघ्र ही कुल 491 गांवों को इस स्कीम में भाामिल कर लिया जाएगा। आगामी वर्श में मेवात क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न स्कीमों को कार्यन्वित करने हेतु 250 लाख रूपये का कुल परिव्यय

अनुमोदित किया गया हैं। इस बात से मेवात क्षेत्र और राज्य के दूसरे भागों के बीच वाला क्षेत्रीय असन्तुलन कम हो जाएगा।

23. मेरी सरकार अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गो और विमुक्त जातियों के कल्याण को सब से अधिक प्राथमिकता देती रही हैं। ि ाक्षा, प्रि ाक्षण और स्वतः रोजगार के अवसरों जातियों, पिछड़े वर्गो और विमुक्त जातियों से सम्बन्धित लाख रूपये खर्च किए जाने का प्रस्ताव हैं। पूर्व–मैट्रिक और मैट्रिकोत्तर अवस्थाओं पर छात्रवृत्तियों, ि ाक्षण–फीसों की प्रतिपूर्ति वि वविद्यालय या बोर्ड परीक्षा फीसों की वापसी, मिडिल और उच्चतर माध्यमिक अवस्थाओं पर पुस्तक अनुदान मैट्रिकोत्तर अवस्थाओं पर छात्रवृत्तियों, ि ाक्षण–फीसों की प्रतिपूर्ति वि वविद्यालय या बोर्ड परीक्षा फीसों की वापसी, मिडिल औरा उच्चतर माध्यमिक अवस्थओं पर पुस्तक–अनुदान, मैट्रिकोत्तर अवस्था में प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वालों के लिए वि ोश ि ाशण जैसे विभिन्न प्रोत्साहनों द्वारा उनके ि ाक्षण स्तर पर सुधार लाया जा रहा हैं। वर्श 1987–88 के दौरान इनल प्रोत्साहनों से लाभ पाने वाले विद्यार्थियों के वर्तमान आंकड़े 2.04 लाख से बढ़कर 2.96 लाख हो जाने की संभवाना हैं। समाज के इन वर्गो की आर्थिक स्थिति में कल्याण निगम ने चालू वर्श के दौरान क्रम ाः अनुसूचित जातियों के 16000 लाभानुभोगियों और पिछड़े वर्गो के 4000 व्यक्तियों को सहायता प्रदान की हैं। अनुसूचित जातियों की विधवाओं निराश्रित और विकलांग महिलाओं की

पुत्रियों के विवाह के लिए सहायता देने हेतू एक नयी स्कीम आगामी वित्त वर्श से भाुरू कि जाएगी। इस स्कीम के अर्न्तगत विवाह संबन्धी खर्चो को पूरा करने के लिए उन्हें 2500 रूपये की सहायता दी जाएगी।

मेरी सरकार ने एक समिति बनाई हैं, जो पिछड़े वर्गो की समस्याओं का पता लगायेगी तथा उनकी स्थिति को सुधारने के लिए उपायों की सिफरि ा करेगी।

पिछड़े वर्गो के 50 अथवा अधिक जनसंख्या वाले प्रत्येक गावं में पिछड़े वर्गो का एक नम्बरदार नियुक्त किया जाएगा। इस के अतिरिक्त, यदि किसी पंचायत में पिछड़े वर्गो का कोई प्रतिनिधि नहीं हैं और गांव में पिछड़े वर्गो की आबादी 2 प्रति ात से अधिक हैं तो उस में एक सदस्य पिछड़े वर्गो का नियुक्त किया जाएगा। पिछड़े वर्गो के सदस्य गांव की भाामलात भूमि के 10 प्रति ात पट्टे के हकदार होंगे।

24. मेरी सरकार उपर्युक्त के अतिरिक्त समाज के अन्य समाज कमजोर वर्गो की ओर भी वि ोश ध्यान दे रही हैं, इन में महिलाएं, बच्चे, विकलांग तथा निराश्रित व्यक्ति भाामिल हैं। सातवीं पंच वर्शीय योजना अवधि में, इस क्षेत्र में 3472 लाख रूपये खचै किए जाने का प्रस्ताव हैं। वर्श 1987—88 में विभिन्न कार्यक्रमों पर 965 लाख रूपये खर्च किए जायेंगे, जिसमें पोशाहार कार्यक्रमों पर खर्च की जाने वाली राि ा भाामिल होगी। राज्य मं 45 समन्वित

बाल विकास स्कीम आई0 सी0 डी0 एस0 परियोजनाओं के अन्तर्गत 316026 बच्चे गर्भवती और दूध पिलाने वाली माताएं लाभ उठा रही हैं। मरेी सरकार ने निर्णय लिया हैं कि वर्श 1987–88 के अन्त तक समन्वित बाल विकास स्कीम (आई0 सी0 डी0 एस0) परियोजना 97 खंडो में बढ़ा दी जाएगी। आ ाा की जाती हैं कि अब 794800 व्यक्ति इससे लाभ उठा सकेंगे। इसके अतिरिक्त, सामाजिक सुरक्षा स्कीम के अन्तर्गत 49000 लाभ पाने वालों को वृद्धा अवस्था पें ान दी जायेगी इस पर 252.36 लाख रूपये का खर्च होगा। वर्श 1987–88 के दौरान 9272 विकलांग व्यक्तियों और 8900 निराश्रित महिलाओं तथा विधवाओं को 50 रूपये महीना की दर पर पें ान दी जाएगी। निम्न आय वर्गो के भाारीरिक रूप से विकलांग 5600 बच्चों को वर्श 1987–88 में छात्रवृत्तियां देने के लिये विचार किया जाएगा।

25. मेरी सरकार ने वर्श 1985–86 के दौरान 19.60 लाख टन गेहूं की तुलना में वर्श 1986–87 के दौरान 23.36 लाख टन गेहूं प्राप्त किया हैं, जो कि अब तक का रिकार्ड हैं। जनता को, वि ोश रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में उचित दरों पर आव यक वस्तुओं का वितरण सुनि ित करने के लिए हरियाण में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुदृढ़ कया गया हैं। सहकारी तथा निजी क्षेत्र में 6408 उचित मूल्य की दुकानें ऐसी स्थानों पर इस प्रकार खोली गई हैं कि आव यक वस्तुओं की सप्लाई–प्राप्त

करने के लिये किसी को भी दो किलोमीटर से अधिक न चलना पड़े।

26. विकास की विभिन्न स्कीमों में औद्योगिक को निरन्तर उच्च प्राथमिकता दी जाती रही हैं। हरियाणा में औद्योगिक क्रांति हुई हैं जिस का राज्य को गर्व हैं। लघु पैमाने के यूनिटों की संख्या 70461 से बढ़ गई हैं। इस वर्श में अब तक 5049 यूनिटों की स्थापना हुई हैं। पिछडे क्षेत्रों में उद्योगों को उन्नत करने के लिए भारत सरकार ने चुनिंदे क्षेत्रों नकद आर्थिक सहायता देने की स्कीम की घोशणा की हैं। यह आर्थिक सहायता भूमि भवन तथा म ीनरी पर किए गए पुजी निवे ा पर दी जाती हैं। जब से स्कीम आरम्भ की गई हैं लगभग 1281 यूनिटों को लाभ पहुंचा हैं और अब तक 15.03 करोड़ रूपये की आर्थिक, सहायता स्वीकृत की गई हैं। वर्श 1987–88 में ग्रामीण औद्योगीकरण स्कीम के अन्तर्गत 4050यूनिट स्थापित करने का प्रस्ताव हैं, जिस से 12150 लोगों को रोजगार मिलेगा। चालू वर्श के दौरान स्वतः रोजगार स्कीम के अन्तर्गत 4600 उद्यमकर्ताओं को ऋण देने का भी प्रस्ताव हैं। जिला रोहतक उद्योगों को जल्दी उन्नत करने के विचार से रोहतक तहसील को औद्योगिक रूप में पिछड़ा क्षेत्र घेशित किया गया हैं।

राज्य ने वि ोश रूप से कम विकसित क्षेत्रों में नये यूनिट स्थापित करने के लिये, नये प्रोत्साहनों की घोशणा की हैं। यह नीति प्रवर्त्तक तथा समृद्ध यूनिटौं के लिए वि ोश प्रोत्साहन

प्रदान करती हैं। यह भात–प्रति ात निर्यात से सम्बन्धित तथा उच्च प्रौद्योगिक–उद्योगों को प्रोत्साहन करती हैं तथा छोटे–छोटे यूनिटों को भी अधिक प्रोत्साहन देती हैं। प्रोत्साहन देने के लिए राज्य को ''क'' ''ख'' ''ग'' क्षेत्रों में बांटा गया हैं। अब नये औद्योगिक यूनिटों को पूंजीगत उपस्कर, भवन समाग्री तथा कच्चे माल के लिए चुंगी भाुल्क की छूट ''क'' क्षेत्र में 9 वर्श के लिए ''ख'' क्षेत्र में 7 वर्श के लिए तथा ''ग'' क्षेत्र में 5 वर्श के लिये दी जाएगी। राज्य में बिक्री कर आस्थगन की धारणा को पहली बार भाुरू किया गया हैं। अब सभी नये यूनिट, निवे ा स्तर का ध्यान दिये बिना, बिक्री–कर/केन्द्रीय बिक्री का ''क'' क्षेत्र में 9वर्श, ''ख'' क्षेत्र में 7 वर्श तथा ''ग'' क्षेत्र में 5 वर्श की अवधि के लिए आस्थगन होगा। करनाल में 1500 करोड़ रूपये से अधिक पूंजीगत परिव्यय की लागत वाला तेल– ाोधक कारखाना संयुक्त क्षेत्र अधीन लगाया जा रहा हैं। भारत इलैक्ट्रानिक पंचकूला में 21 करोड़ रूपये की लागत से दूर–संचार परियोजना स्थापित कर रहा हैं।

सरकारी विभागों के लाभ के लिए आरम्भ में राज्य के पांच जिलों में 1.74 करोड़ रूपे की लागत से कम्प्यूटर जाल छिाने का प्रस्ताव हैं। ये केन्द्र भू–अभिलेख जिला न्यायालय और सिंचाई के आकड़ों को व्यवस्थित करने के लिए कम्प्यूटर पर कार्य करेंगे और नये 20–सूत्री कार्यक्रम की प्रगति का परिवीक्षण करेंगे तथा प्र ाासन को सर्व कार्य कु ाल बनायेंगे।

27. मेरी सरकार अपने राज्य के लोगों के जीवन स्तर को सुधरने और उनमें वैज्ञनिक रूचि उत्पन्न करने के लिए विज्ञान और टैक्नोलाजी प्रयोगों को बढ़ावा देने को उच्चतम प्राथमिकता दे रही हैं। हरियाणा ने सौर ऊर्जा का प्रयोग विभिन्न कार्यो के लिये भुरू किया हैं। अब तक राज्य में 22.92 लाख रूपये की लागत से 21 ऐसी प्रणालियां स्थापित की जा चुकी हैं।इन प्रणालियो से 5.5 लाख के0 ड्ब्ल्यू0 एच0 बिजली की वार्शिक बचत होती हैं। खेलकूद स्कूल राई, में 20 के0 डब्ल्यू क्षमता वाला एक सौर फोटोवोल्टेक बिजली संयन्त्र लगाया जाएगा। परियोजना पर कुल 67 लाख रूपये की लागत आएगी।

28. मजदूरों की कठिनाई को दूर करने के लिए मूल्य सूचकांक को ध्यान में रखते हुए मजदूरी की दरों के ढांचे को सं ोधित कर दिया गया हैं। इस समय अकु ाल कारीगर की न्यूनतम मजदूरी 440.50 रूपये मासिक या 16.87 रूपये दैनिक हैं और कृशि मजदूर को एक औद्योगिक मजदूर से एक रूपया अधिक दिया जा रहा हैं। ये दरें, पंजाब को छोड़कर, पड़ोसी राज्यों की तुलना में सब से अधिक हैं।

29. मेरी सरकार देहाती इलाकों के लोगों को रोजगार सहायता देने के लिये वि ोश कदम उठा रही हैं। रोजगार केन्द्रों को आधुनिक बनाने तथा तेज और बढिया सेवा सुनि ि चत करने के लिए सातवीं पंचवर्शीय योजना के दौरान कुछ महत्वपूर्ण रोजगार केन्द्रों में कम्प्यूटर लगाने का प्रस्ताव हैं। वर्श 1987–88

कुछ महत्वपूर्ण रोजगार केन्द्रों में कम्प्यूटर लगाने का प्रस्ताव हैं। वर्श 1987–88 के दौरान एक रोजगार केन्द्र में कम्प्यूटर लगाने का प्रस्ताव हैं। चालू वित्त वर्श के दौरान पंचकूला और हांसी में दो व्यवसायिक निर्दे ान यूनिटों की स्थपना की गई हैं।

30. ि ाक्षा सभी मानवीय स्त्रोतों के विकास–कार्यक्रम की धूरी बन गई हैं। इस को स्वीकार करते हुए मेरी सरकार का, गुणवत्ता बनाए रखते हुए, ि ाक्षा सुविधाओं की सुलभता को और अधिक फैलाने का प्रस्ताव हैं ताकि वे लोगों को आसानी से प्राप्त हो सकें। अब तक हम 6–11 वर्श मे आयु–वर्ग में 16.95 आसानी से प्राप्त हो सकें। अब तक हम 6–11 वर्श में आयु–वर्ग में 6.75 लाख बच्चों के नाम दर्जा कर सके हैं। लड़कियों के लिए 500 प्राइमरी स्कूल खोलने का प्रस्ताव हैं, जिन में से 200 स्कूल पहले ही खोले जाएंगे। आधुनिक समय के साथ कदम मिलाते हुए, कम्प्यूटर ि ाक्षा के कार्यक्रम 18 स्कूलों में भ्रारू किए जा चुके हैं। कम्प्यूटर ि ाक्षा देने के लिए इस वर्श 13 और स्कूल चुने गए हैं। इस वर्श खुंगा कोठी (जीन्द और पाबड़ा) में दो नवोदय स्कूल खेल गए हैं। अगले वर्श छः और स्कूल खोले जाएंगे। नई ि ाक्षा नीति को प्रभाव ाली रूप से कार्यन्वित करने के लिए दस हजार अध्यापकौं को अभिविन्यास पाठ्यक्रम प्रि ाक्षण दिया गया हैं। सरकार ने वर्श 1987–88 में दो जिला ि ाक्षा संस्थान स्थापित करने का भी प्रस्ताव रखा हैं। उच्चतर ि ाक्षा के क्षेत्र में विज्ञान–ि ाक्षा के लिए और भी सुविधाएं दी गई हैं। महाविद्यालय

के प्राध्यापकों के लिए नई ि ाक्षा नीति के कार्यान्वयन पहलुओं पर अभिविन्यास पाठ्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं। एक मन्त्रिमण्डल उप–समिति इस नीति की क्रियान्विति की देखभाल करेगी।

31. हरियाणा के युवकों में स्पोंर्टस्मैनि ाप, सहन ीलता और नेतृत्व के गुणों का विकास करने के विचार से खेलकूद को बढ़ावा देने और युवा कल्याण के लिए 34 स्कीमें लागू की जा रही हैं। इन स्कीमों में स्टेडियमों, जिम्नेजियमों, तैरने के तालाबों जैसी खेलकूद की आधार संरचना के विकास और आधुनिक तथा वैज्ञानिक आधार पर सघन प्रि ाक्षण भाामिल हैं। चालू वर्श 1986–87 के दौरान हरियाणा के खिलाड़ियों ने राश्ट्रीय तथा अन्तर्राश्ट्रीय प्रतियोगिताओं में राज्य तथा दे ा के गौरव को चार चांद लगा दिए हैं। सियोल के 10 वे एि ायाई खेलों मे पदक जीतने वाले हरियाणा के छः खिलाड़ियों को 25000–25000 रूपए का नकद पुरस्कार दिया गया हैं।

फरीदाबाद में अन्तर्राश्ट्रीय स्तर का एक क्रिकेट स्टेडियम बनया गया हैं। अम्बाला में जिम्नेजियम हाल पूरा होने वाल हैं। मेरी सरकार का प्रस्ताव हैं कि उपलब्ध प्रतिभा को खोज निकालने के लिए कुछ खेलकूद नर्सरियां और एक खेलकूद महाविद्यालय भी भाुरू किया जाए।

32. मेरी सरकार खास कर ाज्य के देहाती और पिछड़े इलाकों में प्रभाति होने वाले वर्बो में इलाज तथा सेहत की देख–भाल की सहुलतों को फैलाने तथा बढ़ाने के लिए लगातार प्रयत्न किए हैं। सातवीं पंच वर्शीय योजना फैलाने तथा बढ़ाने के लिए लगातार प्रयत्न किए हैं। सांतवी पंच वर्शीय योजना 1987–88 के लिए 1213 लाख रूपये के परिव्यय की परिव्यय अनुमोदित किया गया हैं जबकि 1986–87 के लिए यह परिव्यय 1044 लाख रूपये का था। सातवीं पंचवर्शीय योजना के दौरान 776 उप–स्वास्थ्य केन्द्र 231 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और 50 समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और 10 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव हैं। इनमें से 150 उप–स्वास्थ्य केन्द्र, 50 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और 10 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र वर्श 1987–88 में स्थापित करने का प्रस्ताव हैं। परिवार कल्याण कार्यक्रम लगातार लोकप्रिय होता जा रहा हैं। हरियाणा ने इस कार्यक्रम में 119.2 प्रति ात समकक्ष बन्धीकरण के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया हैं और वर्श 1985–86 के दौरान परिवार कल्याण कार्यक्रम में उत्तम कार्य निशपादन के लिए 2.5 करोड़ रूपये का नकद पुरस्कार प्राप्त किया हैं। मेरी सरकार ने मेडिकल कालेज रोहतक का दर्जा बढ़ाकर उसे स्नातकोत्तर अनुसंधान संस्थान बनाने का निर्णय लिया हैं। इस कालेज में कार्डियोलाजी, कार्डिक–सर्जरी, गैस्टेरनटरोलोजी और न्योरोलोजी के विभागों की स्वीकृति दी जा चुकी हैं और ये 1987–88 में भाुरू हो जायेंगे। इस संसाि को परिश्कृत उपस्कर जुटाये जाएंगे। 25 नई आयुर्वेदिक डिस्पैंसरियों खोली गई हैं तथा

वर्श 1987–88 के दौरान 20 और आयुर्वैदिक डिस्पैंसरियां खोलने का प्रस्ताव हैं।

33. ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगोकं में अच्दे स्वास्थ्य की बुनियादी, बात सुरक्षित तथा पाइप द्वारा स्वच्छ पेय–जल की सप्लाई करना हैं इस योजना के अन्त तक समस्या वाले सभी गांवों के लिये पेयजल की व्यवस्था करना मेरी सरकार का उद्दे य है। जबकि चालू वर्श में 504 गांवों को उक्त स्कीम के अन्तर्गत लाया जाएगा, वर्श 1987–88 में 350 और गावों को इस स्कीम में भाामिल कर लिया जाएगा, जिसके लिए मेरी सरकार 25.74 करोड़ रूपये खर्च–करेगी।

भाहरी क्षेत्रों में जल सप्लाई और जल निकास सुविधाओं में सुधार लोने हेतु 7.12 करोड़ रूपये खर्च किए जाएंगे।

34. इस समय राज्य में विभिन्न स्थानों पर 29 पुल निर्माणधीन हैं और 40 पुलों का निर्माण कार्य आगामी वर्श में भाुरू किया जायेगा, जबकि 403 किलोमीटर सड़के बनाने का भी प्रस्ताव हैं।

भारत सरकार ने वि व बैंक की सहायता से लगभग 40.16 करोड़ रूपये की लागत से मूर्थल से करनाल तक राश्ट्रीय राज मार्ग नं0 1 भोर ााह सूरी मार्ग को चार मार्ग वाला बनाने की स्कीम को मंजूरी दे दी हैं। यह कार्य वर्श 1991 तक पूरा किया

जाएगा। इस से करनाल तथा दिल्ली के बीच कई गुना बढ़े यातायात को ही न केवल सम्भाला जा सकेगा बल्कि इस मुख्य राज मार्ग पर जीवन और सम्पति में हेने वाली अनाव यक हानि तथा यातायात के संकट को भी कम किया जा सकेगा।

हरियाणा राज्य परिवाहन ने बस सेवाओं में विस्तार कर के राज्य के दूर–दराज के क्षेत्रों में परिवहन के जाल को व्याप्त कर दिया हैं। इसकी प्रतिदिन विभिन्न मार्गो पर 3000 से भी अधिक बसें चलती हैं जिनमें लगभग लगभग 11 लाख लोग यात्रा करते हैं। यात्रियों की मांग तथा कठिनाइयों के दृश्टिगत राज्य में यातायात प्रवर्तन अमला आप्रे ान को समाप्त करने का निर्णय लिया गया हैं।

35. हरियाणा भाहरी विकास प्राधिकरण राज्य में भाहरी क्षेत्रों की समन्वित योजना और विकास का कार्य कर रहा हैं। चालू वर्श के दौरान अब तक 8115 रिहाय ाी और 394 औद्योगिकी वाणिज्यिक पलट अलाट किए जा चुके हैं। राज में औद्योगिक यूनिट स्थापित करने के लिए गेर–रिहाय ाी भारतीयों को प्रोत्साहन देने के चिार से प्रव्यैक औद्योगिक सम्पदा मैं 20 प्रति ात लाट उन्हें ही अलाट करने के लिए नियत किए जा रहे हैं। हरियाणा भाहरी विकास प्राधिकरण ने गैर–रिहाय ाी भारतीयों को 224 अस्थायी अलाटमैंट पत्र जारी किए हैं। हाल ही में हरियाणा भाहरी विकास प्राधिकरण ने अपनी बस्तियों में केवल समाज के कमजोर वर्गो को कम लागत वाले प्लाट देने का एक

कार्यक्रम के अन्तर्गत भिवानी, रोहतक पानीपत, पंचकूला तथा हिसार में 100 रूपये प्रति वर्ग गज की दर से 3859 प्लाट पहले से ही दिये जा चुके हैं।

36. हरियाणा समस्त राज्य मैं उचित पर्यटक स्थानों पर पर्यटकों को अपेक्षाकृत कम मूल्य पर सुविधएं जुटाने के लिये पर्यटन के क्षेत्र में एक मिसाल रहा हैं। पर्यटकों की बढ़ रही संख्या तथा स्थानीय लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए और अधिक पर्यटक काम्पलैक्स बनाये जा रहे हैं, जिनमें से किंग फि ार काम्पलैक्स, अम्बाला नवीनतम कम्पलैक्स हैं। फरवरी तक फरीदाबाद में मैगपाई काम्पलैक्स मैं नया मोटेल विग आरम्भ किया जायेगा। भीघ्र ही कुरूक्षेत्र में एक यात्री निवास बनाया जाएगा जिसमें 100 बिस्तरों की व्यवस्था होगी। पीपली में युवा आवास का निर्माण किया जा रहा हैं। विद्यमान सुविधाओं में सुधार किया जा रहा हैं तथा उनका नवीकरण किया जा रहा हैं। सरकार ने कुरूक्षेत्र के ब्रह्म सरोवर तालाब के विकास के लिए 50 लाख रूप्ये स्वीकृत किये हैं। इससे तीर्थ यात्रियों को सुविधाएं जुटान के लिए कुरूक्षेत्र विकास बोर्ड को अतिरिक्त सहायता मिलेगी। सातवीं पंचवर्शीय योजना के लिये 11 करोड़ रूपए का कुल परिव्यय स्वीकृ त किया गया हैं, जिसमें से वर्श 1987–88 में 1.50 करोड़ रूपये खर्च किए जाएंगे।

37. मेरी सरकार ने हरियाणा के स्वतन्त्रता सेनानियों, भूतपूर्व आजाद हिन्द फौज के सैनिकों और उनकी विधवाओं को

सम्मानित किया हैं। इस समय 3455 स्वतन्त्रता सेनानी जिनमें भूतपूर्व आजाद हिन्द फौज के 2438 सैनिक भाामिल हैं, को 200 रूपये प्रतिमास की दर से आर्थिक सहायता दी जा रही हैं। इस के अतिरिक्त इलाज की सुविधाएं और सामाजिक जिम्मेवारयिों को पूरा करने के लिए सहायता भी दी जाती हैं। स्वतन्त्रता सेनानियों के बच्चों तथा पोते–पोतियों कके लिये विभिन्न व्यवसायिक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आरक्षण किया गया हैं और सरकी नौकरियों में भर्ती के समय भी उन्हें आरक्षण दिया जाएगा। स्वतन्त्रता सेनानियों के हरियाणा तथा दिल्ली में हरियाणा राज्य परिवहन की बसों में निः ाुल्क यात्रा करने की मंजूरी हयिाणा के विधायकों के परिवहन की बसों में निः ाुल्क यात्रा करने की मंजूरी हरियाणा के विधायकों के समान ही दी गई हैं। वर्श 1939 में हैदराबाद सत्याग्रह में भाग लेने वाले स्वतन्त्रता सेनानियों को अन्य स्वतन्त्रता सेनानियों के समान ही सुविधाएं दी गई हैं।

38. मेरी सरकार भाूरवीर सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों, उनकी विधवाओं और बच्चों के कल्याण को प्राथमिकता देती रही है। उनके लिये कई स्कीमें हैं और उन्हें कई रियायतें और सुविधांए दी गई हैं। इनको लगातार बढ़ाया जा रहा हैं। युद्ध में मारे गये सैनिकों की विधवाओं की बेटियों तथा भूतपूर्व सैंनिकों की अनाथ निर्धन बेटियों के विवाह के लिए सहायता हाल ही में बढ़ाकर 3000 रूपये तक रक दी गयी हैं। इसके अतिरिक्त भूतपूर्व सैनिको के अनाथ बच्चों तथा पैरा–प्लैजिक/टेटरा प्लैजिक भूतपूर्व

सैनिकों की आर्थिक सहायता को बढ़ाकर क्रम ाः 50 रूपये से 100 रूपये तथा 150 रूपये से 300 रूपये प्रतिमास कर दिया गया हैं। भूतपूर्व सैनिकों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भूतपूर्व सैनिको को स्वतः रोजगार के लिये तैयार करना नामक भारत सरकार की स्कीम जो संक्षेप में पैक्सेम के नाम से ज्ञात हैं, के अन्तर्गत उन्हें व्यावसायिक प्र ाक्षण प्राप्त करनें में सहायता दी जाती हैं। यह स्कीम अब हरियाणा के दो जिलों में चल रही हैं और धीरे–धीरे अन्य जिलों में चलाई जाएगी। ब्याज सहायता स्कीम के अन्तर्गत उन्हें स्वतः रोजगार के लिये विभिन्न वित्तीय संस्थाओं/वाणिज्यिक बैंको से ऋण प्राप्त करने में सहायता दी जाती हैं। जनवरी 1987 तक 70155 भूतपूर्व सैंनिकों को 67.83 करोड़ रूपए के ऋण दिए गए हैं। मेरी सरकार का दक्षिणी हरियाणा में दूसरा सैनिक स्कूल खोलने का प्रस्ताव हैं।

39. मेरी सरकार ने निर्णय लिया हैं कि चतुर्थ वेतन आयोग की सिफारि ाों पर भारत सरकार द्वारा घोशित सं ाोधित वेतनमानों को हरियाणा कर्मचारियों पर भी लागू किया जाए।य सं ाोधित वेतनमान प्रथम जनवरी , 1986 से लागू होंगे। इस ंस ाोधन के कारण 31–3–87 तक की बकाया रा ि ा कर्मचारियों के भविश्य निधि खातों में जमा की जाएगी। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित अधिकारियों की एक समिति को विभिन्न कर्मचारियों की श्रेणियों पर लागू होने वाले वेतनमानों की भीघ्र सिफारि ा करने के लिए कहा गया है।

ये मेरी सरकार द्वारा चालू वर्श मे हरियाणा के लोगों के लिए किए गए मुख्य कार्य हैं और हमाी आगामी वर्श की योजनांए हैं। इससे आप महसूस करेंगे कि मेरी सरकार ने संविधान के निर्दे ज्ञक सिंद्धातों में परिकल्पित जीवन को वास्तविक रूप देने में भरपूर प्रयास किये हैं। मैं आपको वि वास दिलाता हूं कि मेरी सरकार पूरी निश्ठा से कार्य करेगी और इस भाानदार लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये पूर्ण प्रयत्न करेगी। हमारे संयुक्त प्रयासों और आपके प्रबुद्ध विचार–विम ं से य सम्भव हो कसेगा। इसके लिये मेरी भाुभकामनाएं आपके साथ है।

अध्यक्ष द्वारा घोशणा

चौधरी हनुमान सिंह एम0 एल0 ए0 की मृत्यु संबंधी

Mr. Speaker: I am to inform th House with deep sorrow that Chaudhri Hanuman Sinmgh Bishnoi, a member of the Haryana Vidhan sabha, representing Tohana Assembly Constituency of the Hissar district expired on 16th February, 1987 at 1.00 p.m.

भाोक प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now a Minister will make obituary references.

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): जनाब स्पीकर साहब, हमारी असैम्बली के पिछले इजलास से लेकर इस इजलास के अर्से के

बीच हमारे कुछ साथी हमको छोड़ कर चले बसे हैं। मैं उनके लिए औबिचुअरी रैजोल्यू ान पे ा करता हूं।

Shri Jagdish Kumar Beniwal, former MLA, Haryana

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Shri Jagdish Kumar Beniwal, former member of Haryana Vidhan Sabha, on January 6, 1987.

Shri Jagdish Kumar Beniwal was born on July 16, 1942 at village Darba Kalan in Sirsa district. He was elected to haryana Vidhan Sabha in 1977.

In his death, the country has lost a social worker anmd a spirited legislator. The House resolves to send its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

Shri Hanuman Singh Bishnoi, MLA, Haryana

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Shri Hanuman Singh Bishnoi, MLA,Haryana , on February 16, 1987.

Shri Hanuman Sing Bishnoi was born in 1954 in Rajasthan. He settled in Adampur Mandi in early childhood. He entered Haryana Vidhan Sabha from Tohana constituuency in 1985 by elections.

In his death, the country has lost a young and promising legislator. The House resolves to send its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

Vaid Ram Dayal, former MLA of composite Punjab

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Vaid Ram Dayal, former MLA of composite Punjab, on January 2, 1987.

Vaid Ram Dayal was born in 1911. He took active part in freedom struggle and Quit India Movement. He remained the General Secretay of Punjab Pradesh Congress Committee for some time. He was elected to Punjab Vidhan Sabha in 1953 and again in 1957. He was awarded with “Tamra Patra’ for being a freedom fighter by Goverment of India

In his death, the country has lost a veteran freedom fighter and a seasoned legislator. The Hose resolves to send its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

Shri Joginder Pal Pandey, former Minister of Punjab

This House placeson record its deep sense of sorrow on the brutal assassination of Shri Joginder Pal Pandey, former Minister of Punjab] on January 19, 1987.

Shri Joginder Pal Pandey was born on May 9, 1926. He joined the District Congress Committtee Ludhiana and also worked with District Socialist Party for some time. He participated in Quit India Movement of 1942 and offered Satyagraha in Faridkot in 1945 following the arrest of Pandit Jawaharlal Nehru. He was first elected to Punjab Vidhan Sabha in 1969. He served as State Minister from 1972 to 1977 in the ministry headed by Giani Zail Sing and as Cabinet Minister during 1980-83 under Sardar Darbara Singh.

In his death, the country has lost a seasoned legislator and a dedicated social worker. Thje House resolves to send its heatfelt condolencesw to the memberws of the beraved family.

Shri Raj Narain, former Union Minister

This House places on record its deep sense of sorrow on thje sad demise of Shri Raj Narain former Union Minister, on December 30, 1986.

Shri Raj Narain was born in 1917 at Motikot in Uttar Pradesh. He took active part in the freedom movement of the country and also suffered imprisonment several times. He was member of Rajya Sabha during 1966 & 72 and 1974-77. He was elected to Lok Sabha in 1977 and became Minister for Health and Family Welfare. He was the President of Socialist Party.

In this death, the country has lost a seasoned parliamentarian. The House resolves to sen its heatfelt condolences to the members of the bereaved family.

Dr. Harekrushna Mahatab, former Union Minister

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Dr. Harekrushna Mahatab, former Union Minister, on January 2, 1987.

Dr. Harekrushna Mahatab was born on November 21, 1899 in Orissa. He courted arrest several times during the freedom movement. He became Chief Minister of Orissa during

1946&50 and later on from 1957 to 1961. He also remained Union Minister of Commerce and Indutry during 1950-52. He was Governor of Bombay from 1955 to 1956. He was a member of the Lok Sabha during 1962-67 and was the Deputy Leader of the Congress Party in Parliament in 1962-67. He was Member of Orissa Legislative Assembluy during 1967-77.

In his death, the country has lost a veteran freedom fighter, aseasoned parliamentarian and an able administrator. The House resolves to send its heatfelt condolences to the members of the bereaved family.

Shri Mahamaya Prasad Sinha, former Chief Minister

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Shri Mahanmaya Prasad Sinha, former Chief Minster of Bihar on February 12, 1987.

Shri Mahamaya Prasad Sinha was born on March 1, 1910 in Bihar. He was imprisoned several times during freedom movement. He was the president of Bihar Pradesh Congress Committee in 1947. He was elected to Bihar Legislative Assembly in 1957 He was again elected to Legislative Assembly in 1967 and as a leader of the Bharatiya Kranti Dal had remained Chief Minister of Bihar during 1967-68.

In his death, the country has lost a great freedom fighter social worker and a seasoned parliamentarian. The House resolves to send its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

Shri M. Bhaktavatsalam, former Chief Minister of Tamil Nadu

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Shri M. Bhaktavatasalam, former Chief Minister of Tamil Nad, on February 13, 1987.

Shri M. Bhaktavatsalam was born on Octover 9, 1897. He was Deputy Mayor of Madras Corporation in 1936. He plunged into the freedom movement in 1927 and courted arrest several times. He held various important portfolios in the Madras Ministry during 1946 to 1963. He remained the Chief Minister of Tamil Nadu during 1963-67.

In hsi death, the country has lost an able administrator and a veteran freedom fighter. The House resolves to send its heartfelt condolences to the members of the beraved family.

Shri Maniyan Kuttappan, Commissioner and Secretary, Haryana

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad and untimely demiose of Shri Maniyan Kuttappan, Commissioner and Secretary HJaryana on February 4, 1987.

Shri Maniyan Kuttappan, was born on may5 , 1933 in Kerala, He joined IAS on May 29, 1962. He served haryana in various capacities starting from Sub-Divisional Officer at Palwal and Deputy Commiissioner of Jind district. He alos held the posts of Labour Commissioner and commissioner,

Ambala Division besides being the Vice Chancellor of the Kurukshetra University.

In his death, we have lost an able administrator, a considerate and dedicated officer. The House resolves to send its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

Smt. Santosh Malik & Sh. Rajiv Mal;ik wife, and son, respectively of Sh. Dhjaram Pal Singh Malik, M.P. from Haryana.

The house places on record its deep sense of sorrow on the sad and untimely demise of St. Santosh Malik and Shri Rajiv Malik, wife and son, respectively of Shri Dharam Pal Singh Malik, Member of Parliament from Haryana.

The House resolves to send its heartfelt condolences to the member of the beraved family.

S ubedar Parbhu Singh, former Member of Haryana Legislavie Assembly and Rajya Sabha

This House Places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Subedar Parbhu Singh, former Member of Haryana Legislative Assembly and Rajya Sabha. He was a Minister in my Cabinet. He was a very seasoned parliamentarian and a good social worker. He worked hard for the down-trodden people in the States.

In his death, the country has lost a social worker and a spirited legislator.The House resoves to send its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

श्री भले राम (बडौदा–अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव इस हाउस में रखा हैं, मैं भी अपने आप को उसके साथ भारीक करता हूं। श्री जगदी ा कुमार बैनीवाल 1977 से 1982 तक इस हाउस के सदस्य रहे और पांच साल तक हमारे साथ रहे। इस हाउस में हम इकट्ठे बैठते थे मुझे कई बार उनके बांव जाने का मौका भी मिला और उन के बारे यह जानकर बहुत खु ाी हुई कि उनका अपने इलाके में कितना प्यार लोगों के साथ था। सामजिक भावना और लोगों की सेवा करने की भावना उनके दिल में कूट कूट कर भरी थी, यह किसी से छुपी हुई बात नहीं हैं। मै उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं।

श्री हनुमान सिंह जी, पिछले डेढ़ साल से इस हाउस के मैम्बर थे। वे 1985 के वाई–इलैक ान में जीत कर आये थे। उनके निधन की एकदम जब हमने खबर सुनी तो हमें इस बात का वि वास भी नहीं हो पा रहा था कि इतनी यंग अज में अनका निधन हो जाएगा। बड़ी अच्छी सेहत थी उनकी, नौजवान, हंसमुख इन्सान थे लेकिन स्पीकर साहब, ई वर के आगे किसी की नहीं चीती। इसी तरह इन्सान थे लेकिन स्पीकर साहब, ई वर के आगे किसी की नहीं चलती। इसी तरह वैद्यराम दयाल, जोकि ज्वांयट पंजाब में एम0 एल0 ए0 थे, श्री जोगिन्द्र पाल पांडे, श्री राजनारायाण जी, श्री महामाया प्र ााद, जोकि बिहार के भूतपूर्व

मुख्य मंत्री थे, श्री एम0 भक्त वत्सलयम, जोकि तमिलनाडु के भूतपूर्व मुख्य मंत्री थे, का अचानक निधन हुआ। हम इनके परिवारों के साथ अपनी संवेदना प्रकट करते है।

इसी तरह से श्री मनियान कुट्टप्पन कमि ानर एवं सचिव, हरियाणा, एक बहुत ही काबिल, नेक और ईमानदार अफसर थे और बहुत से बड़े बड़े पदों पर वे विराजमान रह चुके हैं। हालांकि वे हरियाणा से सम्बन्धित नहीं थे, वे साऊथ के रहने वाले थे लेकिन फिर भी उन्होनें हरियाणा के हितों को सदा आगे रखा और हरियाणा को खूब सेवा की। वे एक दूर्घटना के अचानक ि ाकार हो गये। हम उनके परिवार के साथ अपनी संवेदना प्रकट करते हैं और भगवान ये प्रार्थना करते हैं कि भगवान उनके परिवार को यह दुःख सहने की भाक्ति प्रदान करें। इसी तरह हमारे एक साथी श्री धर्मपाल जी मलिक जोकि सोनीपत से एम0 पी0 हैं, उनकी धर्मपत्नी श्रीमति संतोश मलिक तथा सुख श्री राजीव मलिक तथा सुपुत्र श्री राजीव मलिक एम0 पी0 हैं, उनकी धर्मपत्नी श्रीमति संतोश मलिक तथा सुपुत्र श्री राजीव मलिक यू0 पी0 में अपने किसी रि तेदार के यहां गए लेकिन वे एक दुर्घटना के ि ाकार हो गए। उनका बच्चा जिसको राजीव कहते थे और प्ययार से हैपी कहा करते थे उस बेचारे का वह दिन अनहैपी में बदल गया और श्रीमति संतोश का वह दिन संतोश में तबदील हो गया। यह दिन उनके परिवार के लिए एक काला दिन असंतोश में तबदील हो गया। यह दिन उनके परिवार के साथ दुःख बांटने के

लिए वहां पहुंचे भी थे। हमारे माननीय मुख्य मंत्री महोदय भी गोहाना में पहुंचे थे। श्री सुरजेवाला साहब और दूसरे हमारे कई साथी भी वहां पर मौजूद थे। स्पीकर साहब, हम आपके द्वारा उनके दु:खी परिवार को अपनी और से संवेदना प्रकट करते है और ई वर से प्रार्थना करते हैं कि इस परिवारों को आपके द्वारा अपनी हार्दिक सहानुभूति प्रकट करता हूं और ई वर से यह प्रार्थना करता हूं कि ई वर इन सब परिवारों को आपके द्वारा अपनी हार्दिक सहानूभूति प्रकट करता हूं और ई वर से यह प्रार्थना करता हूं कि ई वर इन सब परिवारों को यह दु:ख सहने की भाक्ति प्रदान करे और इन सारी महान आत्माओं को सद्गति दें। धन्यवाद

श्री लछमन सिंह (कालका): स्पीकर साहब, अभी लीडर आफ दी हाउस ने जो मातमी प्रस्ताव इस हाउस में पे ा किया हैं, मैं भी उसमें अपने आपको भाामिल करता हूं। जो महानुभाव गये हैं उनमें से कई मेरे बड़े अजीज दोस्त थे और हमारे साथ इस हाउस में मैम्बर भी रहे हैं। श्री जगदी ा कुमार बैनीवाल, 1977 से 1982 तक इस हाउस के मैम्बर रहे। वे अपोजी ान के मैम्बर थे और उस वक्त में यहां पर जीत कर आये थे जबकि हवा बिल्कुल ही उलट थी। वे बड़े भारीफ इन्सान थे। श्री हनुमान सिंह जी भी एक नौजवान एम0 एल0 ए0 थे जोकि हमारे से जुदा हो गये हैं। अभी उनकी उम्र सिर्फ 33 सालों के लगभग ही थी कि भगवान ने उनकों हमसे छीन लिया। इनके परिवारों के प्रति मैं अपनी

सहानुभूति प्रकट करता हूं कि ई वर उनके परिवारों को यह दु:ख सहने की भाक्ति दे।

इसी तरह से श्री जोगिन्द्रपाल जी पांडे जो कि पंजाब के भूतपूर्व मंत्री थे, मेरे जाती तौर पर बड़े गहरे दोस्त थे। वे बेहतरीन इन्सान थे। मौत ने अचानक उनको इस जहान से छीन लिया। हम सब के लिये यह बड़े ही दु:ख की बात हैं। मैं उनके परिवारों के साथ अफसोस जाहिर करता हूं और ई वर से प्रार्थना करता हूं कि वे उन के परिवार को यह दु:ख सहने की भाक्ति प्रदान करे।

सूबेदार प्रभु सिंह जी बड़े मैच्योर्ड व नेक इंसान थे। श्री कुटप्पन जी बड़े गुड ऐडमिनिस्ट्रेटर ईमानदार और नेक इंसान थे। अचानक वे एक हादसे के ि ाकार हो गये जिसका हमें बेहद अफसोस हैं। मैं उनके परिवार के साथ अफसोस का इजहार करता हूं।

उसी तरह से और भी कई महानुभाव इस दूनिया से चले गये। श्री धर्मपाल, सिंह मलिक, एम0 पी0 की वाईफ और बच्चा भी एक दुर्घटना के ि ाकार हो गये। स्पीकर साहब, यह सब भगवान की माया हैं। इस पर किसी का व ा नहीं चलता लेकिन फिर भी उनकी यह अनहोनी मौत हुई जिसके ऊपर हम सब को हार्दिक दु:ख हैं। उनके परिवार के साथ मैं अपनी संवेदना प्रकट करता हू और ई वर से प्रार्थना करता हूं कि उनके परिवार को

यह सदमा सहने की ताकत दे। इन अलफाज के साथ में एक बार फिर इन सभी महानुभावों के परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हुआ आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

चौधरी लीला कृ ण (फतेहाबाद): स्पीकर साहब सर, लीडर आफ दी हाउस ने जो भाोक प्रस्ताव इस हाउस में रखा हैं, मैं भी उसका समर्थन करता हुआ अपने आपको उसमें भारीक करता हूं। इन सभी महान हस्तियों के प्रति मैं अपनी हार्दिक सहानुभूति प्रकट करता हूं जोकि इस जहान से चली गई हैं। श्री हनुमान सिंह जी ने जाकि इस हाउस के मैम्बर थे, अभी जवानी की उम्र में प्रवे ा ही किया था कि मौत ने उनको आ घेरा और हमसे छीन लिया।हमें उनकी मौत की खबर सुनकर बड़ा ही धक्का लगा। वे बड़े होनहार मिलनसार, सो ाल वर्कर और अपने जिला के यूथ कांग्रेस के प्रधान थे। अभी उनकी आयु केवल 35 साल की ही थी। वैसे स्पीकर साहब, जाना तो इस संसार से सब को हैं लेकिन वे तो अभी खिलते फुलों में से थे, अभी उनकी उम्र ही क्या थी लेकिन भगवान के आगे किसी का जोर नहीं चलता। मौत ने उनको हमारे हाथों से छीन लिया। हमें इसका बेहद सदमा लगा। मैं उनके परिवार के प्रति अपनी पूर्ण संवेदना प्रकट करता हूं। इसी तरह से श्री जगदी ा कुमार बैनीवाल जोकि इस हाउस के 1977 से 1982 तक पांच साल मैम्बर रहे, वे भी बड़े होनहार मैम्बर थें, सो ाल वर्कर थे और ईमानदार आदमी थे। उन्होनें

अपने हल्के के लोगों की खूब सेवा की और वे अपना सारा समय लोगों की भलाई के कामों में ही व्यतीत करते थे। मुझे उनके जानपे से जाती तौर पर बड़ा दु:ख हुआ हैं। मै उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं। मलिक धर्म पाल सिंह जली की बीवी और बच्चे का अचानक एक दुर्घटना में निधन हो गया, यह भी हमारे लिये बड़ा दु:ख का कररण हैं। वैसे जो जो हस्तिया स्वर्गवास हुई हैं, वे सभी अपने अपने क्षेत्र में हीरे थे और भारत की सेवा कर रहे थे। उन सब के निधन से इस दे ा ने बहुत कुछ खोया हैं। उन सब के परिवारों के साथ मैं अपनी संवेदना प्रकट करता हूं, उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और ई वर से उनकी सद्गति के लिये प्रार्थना करता हुआ अपना स्थान लेता हूं। धन्यवाद

प ाुपालन राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा): अध्यक्ष महोदय, हाउस के लीडर ने जो भाोक प्रस्ताव इस हाउस में रखा हैं, मैं भी अपने आपको उसमें भाामिल करता हूं। इस बार जो महान हस्तियां हमारे से बिछुड़ गयी हैं उनमें काफी मेरे नजदीकी थे और उनके साथ मेरा जाती तौर पर वास्ता भी था। श्री जगदी ा कुमार बैनीवाल सिरसा जिले से विरोधी पक्ष से सम्बन्ध रखते थे। बड़े ही नेक इन्सान मिलनसार और सौ ाल वर्कर थे। लोगों के दिलों में उनके प्रति बड़ा प्यार था। वे नौजवानों की उम्र में अचानक मौत के ि ाकजें में आ गये जिसका हमें बेहद दु:ख हैं। मैं उनके परिवार के साथ अपनी पूरी संवेदना प्रकट

करता हूं। ई वर उनको सगद्ति दे। यह मेरी प्रार्थना हैं। श्री हनुमान सिंह जी, जोकि अभी केवल 33 साल के ही थे, भी इस उम्र में हम से बिछुड़ गये वे बड़े दिलदार इन्सान थे। उनके बारें में यह बताते है कि उनको कीा जबरदस्त हार्ट अटैक हुआ लेकिन उसके बावजूद भी वह हस्पताल जाने के लिये चल कर अपनी कार तक गये। उनमें बड़ी आत्म ाक्ति थी और इतना स्वीयर हार्ट अटैक होते हुए भी उन्होनें किसी किस्म की परवाह नहीं की कि मुझे नहीं चलता। आखिर मौत ने उनको हमसे छीन ही लिया हैं। इसका हमें बेहद दु:ख मैं आपके द्वारा उनके परिवार वालों को अपनी तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हूं कि वे उनके परिवार को यह दु:ख सहने की भाक्ति दें।

इसी तरह से मलिक धर्मपाल सिंह जी, एम0 पी0, के लड़के ओर वाईफ की एक दुर्घटना में मौत हो गयी और उनकी मौत भी एक ऐसी जगह पर हुई जहां पर उनको कोई जनता तक नहीं था। वे वहां एक ऐसी भाादी को अटैन्ड करने गये थे जिन के साथ उनकी कोई खास जान पहचान भी नही थी। मलिक साहब खुद मोरि ायस गये हुए थे वे अपने लड़को को यह कहकर गये थे कि वह भाादी मं न जाए लेकिन भगवान को ऐसा ही मन्जूर था जिसके आगे इन्सान कुछ नहीं कर सकता। स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा सदन में उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं।

वैद्य राम दयाल संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व विधायक थे। वे बुजुर्गवार थे और डबवाली के रहने वाले थे राजनीति में उनकी बड़ी रूचि थी। उनके निधन से हमें बड़ा ही दु:ख हैं। वे बड़े ईमानदार आदमी थे और बड़े बड़े पर्दे पर रहे। सामजिक कार्यकर्त्ता के रूप में उन्होंनें काफी नाम कमाया। मैं उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं। श्री कुटप्पन काफी अच्छे आदमी थे और एक एबल एडमिनिस्ट्रेटर थे। वे बड़े उच्च पदौं पर रहे और केरल के होते हुए भी उन्होनें हरियाणा के हितों का पूरी तरह से ध्यान रखा तथा हरियाणा के लिये काफी अच्छा काम करके दिखाया जिसके लिये वे प्र ांसा के पात्र हैं। उनकी मौत एक कार दुर्घटना में हुई। मैं उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं। अन्त में, मैं एक बार फिर उनके परिवार के प्रति अपनी–संवेदना प्रकट करता हूं । अन्त में, मैं एक बार फिर सदन के नेता के इस भाोक प्रस्ताव के साथ अपनी पूर्ण सहमति प्रकट करता हुआ इन महान दिवगंत आत्माओं के प्रति और उनके परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक सहानुभूति एंव संवदेना प्रकट करता हूंआ अपना स्थान लेता हूं। धन्यवाद।

Public Works Minister Shri Phool Chand): Hon'ble Speaker, Sir, I am o0n my legs to support the obituary resolutions put forth by the Leader of the House. Since the last meeting of this Hon'ble House, many important personalities have passed away, so much so the ahmmer of the death did not even spare the member of this House. A very young member, Shri Hanuman Sing Bhisnoi, has been

snatched away from this House. I fully asscciate myself e with the feeling expressed for him in the House.

I would also particularly mention the names of Shri M. Kuttappan, who was one of the gems of the depressed classes. he was an IAS Officer. He was born in Kerala t village Kalri where great Sankracherya was born, and seved in Haryana. He had so much deep interest in the welfrare of the SCheduled Castes and Cackward Classes that whenever he happened to talk he had all sympathies nad feeling for the upliftment of the downtroddeen and depressed classes. He took active poart in so manyh social organisations and he was laways out to help any institution or organisation relating to the poor people because he was himself from the poor community.

I would also any pay my tribute to Subedar Parbhu Singh with whom I had great association. He was also from the dpressed classes, He toook keen interest for the upliftment of the weaker sections. We are sorry that only a few years ago, hje lost his young son, who was Deputy Director in the Food &Supplies Department, Haryana, and now he has left this world for his heavenly abodee. The depressed classes and particularly the Scheduled Castes cannot forget his servies.

I also associate myself with the feelings expressed for Mr. D.P. Malik, who has lost his wife and young son, and for various other leadedrs like Shri Joginder Pal Pandey, who was brutaly murdered and may other important leaders who have left for their heavenly abodes.

I pray to God that the departed souls may get peace in the heaven and the familes left behind may get courage to bear the loss sustained by them. I send my heartfelt condotlences to the members of the beraved families. Thank you very much, Sir.

सेठ राम दास धमीजा (अम्बाला छावनी): स्पीकर साहब, सदन के नेता ने जो ग्यारह महानुभावों के स्वर्गवास के बारे मैं प्रस्ताव रखा हैं, मैं उसकी ताईद करने के लिये खड़ा हुआ हूं। श्री हनुमान वि ानोई एक खूबसूरत और सूझवान इन्सान थे। वे मेरे साथ पब्लिक अकाउंटस कमेटी के मैम्बर भी थे। अभी मार्च, 1985 में वे एम0 एल0 ए0 बने थे लेकिन वक्त की बात हैं कि वे अपना वक्त भी पूरा न कर सके। 33 साल की उमर में ही चले गए। श्री कुटप्पन बहुत ईमानदार अफसर थे। वे अम्बाला में कमि ानर भी रहे। उनसे मिलने का हमें बहुत बार मौका मिला। वे कासदे के आदमी थे जिनकी एक हादसे में मौत हो गई । श्रीमती संतोश मलिक तथा श्री राजीव मलिक श्री धर्म पाल मलिक, एम0 पी0 की पत्नी तथा पुत्र थे। ये दानों अचानक एक हादसे में हलाक हो गये। श्री जोगिन्द्र पाल पांडे कांग्रेस के सैक्रेटरी भी रहे पंजाब में मंत्री भी रहे। वे मेरे बेहतरीन और अच्छे दोस्तों मे से एक थे। इसके अलावा जिन दूसरे महानुभावों का इस लिस्ट में नाम हैं मैं उन सब के परिवारें के साथ हमदर्दी जाहिर करते हुए रैजोल्यू ान की ताईद करता हूं।

श्रीमति भाकुन्तला भगवाड़िया (बावल, अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, सदने के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा हैं, मैं उसमें भाामिल होना उचित समझती हूं श्री जगदी ा बैनीवाल 1977 में विधायक बन कर आए थे और वे हमारे साथ और आपके साथ रहे। वे बड़े सरल और हंसमुख व्यक्ति थे। आज वे हमारे बीच में नही हैं जिसके लिए मुझे बहुत अफसोस हैं। मैं उनके परिवार के प्रति अपनी व्यक्तिगत सेंवेदना प्रकट करती हूं। श्री हनुमान सिंह बि नोई जी पिछले सै ान में हमारे साथ बैठे थे, उनकी मौत से भी हमें बहुत अफसोस हैं। इतनी छोटी ऊमर में वे चले जाएंगे ऐसा कोई सोच भी नहीं सकता था। वे अपने आप हस्पताल गए उनको ऐसा नहीं लगता था कि ऐसी बात उनके साथ होगी। वे आखिरी समय उनको ऐसा नहीं लगता था कि ऐसी बात उनके साथ हेागी। वे आखिरी समय तक बड़े हौसले से बोलते रहे। ऐसा जवान व्यक्ति आज हमारे बीच मे ंनही रहा, इसके लिए हमें बहुत अफसोस हैं। श्री जोगेन्द्र पाल पांडे जी से मुझे कई बार मिलने का मौका मिला। वे बहुत अच्छे व्यक्ति थे। उनकी मौत का भी हमें बहुत दुःख हैं। श्री राज नारायण जी से भी मुझे कई बार मिलने का मौका मिला। उनकी मौत का भी हमें बहुत दःख हैं। सूबेदार प्रभु सिंह जी एक गरीब परिवार में पैदा हुए थे। वे राज्य सभा के भी सदस्य रहे। उन्होनें हमारे हरियाणा प्रान्त की खुले दिल से सेवा की। आज वे हमारे बीच में नहीं हैं जिसके लिए हमें गहरा दुःख हैं। श्री धर्म पाल मलिक का बेटा और पत्नी भी आज हमारे बीच में नही हैं। ऐसी दर्दनाक बात कभी सोची भी नहीं जा सकती

थी लेकिन स्पीकर, साहब जो इस बिधाता ने रचा हैं उसको टला नहीं जा सकता। कुटप्पन साहब हमारे एक योग्य अधिकारी थे। ईमानदारी में उनका अपना नाम था। वे हरिजन जाति से संबंध रखते थे और केरल राज्य के रहने वाले थे। इतना योग्य अधिकारी आज हमारे बीच में नहीं हैं । इससे बड़े दु:ख की बात हमारे लिए कोई नहीं हो सकती। स्पीकर साहब, हम क्या कर सकते हैं जो आया हैं वह जाएगा भी लेकिन अफसोस इस बात का हैं कि कई व्यक्ति ऐसे समय पर चले जाते हैं जिसकी कल्पना भी नहीं हो सकती। जिन व्यक्तियों को हम व्यक्तिगत रूप से जानते हैं उनके निधन का हमें अफसोस भी ज्यादा होता हैं। आज कई ऐसे व्यक्ति हमारे बीच में नही हैं। इनके परिवारों के प्रति मैं अपनी तरफ से संवेदना प्रकट करती हूं।

समाज कल्याण राज्य मंत्री (श्रीमति करतार देवी): स्पीकर साहब, सदन के नेता ने जो प्रस्ताव सदन के सामने रखा हैं और दूसरे माननीय सदस्यों ने भी जिस पर अपनी भावनांए रखी हैं,मैं भी उस प्रस्ताव के साथ अपने आप को भाामिल करना चाहूंगी। हमारे पहले सै ानके बाद अब तक का जो बीच का पीरियड रहा उस बीच में हमारे दे ा के दो भूतपूर्व मुख्य मंत्री और दो पंजाब के विधायक हमारे बीच में से चले गए। उनमें से श्री जोगेन्द्र पाल पांडे की जिस तरह से हत्या की गई उसकी पूरे दे ा में निन्दा की गई हैं। वे लोग ऐसे आदमियों को चुन चुन कर मारते हैं जो दे ा की एकता और अखंडता की बात कहते हैं।

मैं इनके परिवार के साथ अपनी सहानुभूति प्रकट करती हूं। मै ंवि ोश तौर पर जगदी ा बैनीवाल और भाई हनुमान जी जा हमारे साथ विधायक थे और हमारे साथ बैठते थे, के बारे में कहना चाहूंगी। श्री हनुमान जी बहुत इंसमुख आदमी थे। उन्होंनें बहुत छोटी ऊमरमें टोहाना की जनता के मन में अपना स्थान बना लिया था। मुझे एक दो बार उनके क्षेत्र मे भी जाने का मौका मिला। सब लोग यही कहते थे कि हमने कभी भी उनके गुस्से को नहीं देखा। आप खुद ही अन्दाजा लगाएं कि जिस आदमी का हृदय कोमल हो और जिसमें गुस्सा न हो वह जनता की कितनी सेवा कर सकता हैं। उनकी फमिली की तो उनके जाने से दुःख हैं ही साथ मे उनकी अन–टाइमली डैथ से हमें भी बहुत दुःख हैं। ऐसा सदस्य चाहे वह अपोजी ान का हो या पोजी ान का हो उसके चले जाने से बेहद दुःख होता हैं।

16.00बजे

स्पीकर साहब, इसी प्रकार से सूबेदार प्रभु सिंह हमारे बुजूर्ग नेता थे। वे काफी समय पहले समाज कल्याण मंत्री रहे थे। उनके निधन से सभी हरिजन परिवारों को बड़ा भारी दुःख हुआ हैं। जब हम नजर पंसार कर देखते हैं तो वे ही हमें हरिजन परिवारों की राजनीति मे सबसे पुराने व बड़े बुजुर्ग नेता दिखाई देते हैं। वे हम सब को बच्चों की तरह धमका सकते थे और हमारा मार्गद ार्न कर सकते थे। उनकी फैमिली के लिए भी यह दुःख और अफसोस की बात हैं।

श्री एम0 कुटप्पन साहब का भी यहां पर साथियों ने जिकर किया है। वे एक बहुत ही अच्छे ऐडमिनिस्ट्रेटर थे। उनके बारे में सबसे बड़ी बात मैन् ान करने वाली तो यही हैं कि वे बिल्कुल साधारण और गरीब परिवार में पैदा हुए, ऊंची से ऊची ि ाक्षा प्राप्त की और अच्छे से अच्छे औहदों पर रहे। उनके सामने चाहे कितना ही अभाव आया हो, लेकिन लालाख उनको छू तक नहीं पाया। उनकी ईमानदारी की अपनी एक भााख थी। वे एक एबल ऐउमिनिस्ट्रेटर थे। वे चाहे कहीं कमि चर रहे हो या और पदों पर रहे हो, वे हम सबो याद रहेंगे। हमें तो उनको देख कर यह अहसास होता था कि बाबा अम्बेदकर साहब जैसे स्वाभिमान और एबिलिटी की कल्पना कमजोर वर्गो से करते थे वह उनमें थी

भाई धर्मपाल सिंह मलिक के साथ जो घटना घटी हैं वह भी बड़ी दु:खदाई हैं। किन अच्छी भावनाओं को लेकर उनका परिवार जा रहा था, कि रास्ते में कार दुर्घटना में उनकी धर्मपत्नी और उनका बेटा राजीव मलिक चल बसे। स्पीकर साहब, धर्मपाल सिंह मलिक के साथ जो घटना घटी हैं उसका वर्णन नहीं किया जा सकता। वे एक साधारण प्रवृत्ति के आदमी हैं और हर आदमी से मेलजोल राखने वाले व्यक्ति हैं। उनको पर्लियामैंट का मैम्बर होने का ीाी कभी गर्व या घमण्ड नहीं छू पाया हैं। वे बड़े नम्र स्वभाव के आदमी हैं। वे एक मि ानरी की तरह राजीति में रहते हैं। जो एक सराहनीय बात हैं। अब इस हादसे के बाद वे अकेले

पड़ गए हैं। अब घर में भी उनकी धर्मपत्नी उनका सहयोग देने के लिए नहीं रही और बेटा जिसको वे प्यार से हप्पी कहकर पुकारते थे हर समय घर में उनको उसकी याद आती रहेगी। उनको जितना दुःखद हादसा हुआ हैं, हमें उसका बेहद अफसोस है। हम परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि प्रभु जी, उनको इस दुःख को सहन करने की हिम्मत प्रदान करना। प्रभु जी का एक ऐसा विधान हैं जहां हर कोई आ कर हार जाता हैं। हम भगवान से यही प्रार्थना कर सकते हैं कि भगवान उनको अपने चरणों में स्थान दे। मैं भगवान से यह भी प्रार्थना करती हूं कि हम सभी को सद्बुद्धि देना ताकि हम सब से अच्छे से अच्छा कार्य कर औरहमें भी यह याद रहे कि एक दिन सब को आना हैं। इन्ही भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करती हूं।

राजस्व राज्य मंत्री (श्री निर्मल सिंह): आदरणीय स्पीकर साहब, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा हैं, उस में मैं भी भाामिल होता हूं। जीने–मरने का एक चक्र बना हुआ हैं जो चलता आ रहा हैं ओर चलता रहेगा। सब ने एक दिन यहां से जाना हैं। लेकिन जो मौतें अन–टाईमली हो जांए उनका बड़ा दुःख होता हैं। पिछले अधिवे ान के बाद जो हमारे वयोवृद्ध नेता साथ छोड़ गए है ंवे अच्छा मार्गद र्ान लोगों का कर रहे थे।

श्री एम0 कुटप्पन साहब एक अच्छे ऐडमिनिस्ट्रेटर थे। वे भी इस हादसे का ि ाकार हुए हैं।

स्पीकर साहब, हमारे भूतपूर्व एम0 एल0 ए0 श्री जगदी ा कुमार बैनीवाल भी हादसे का ि ाकार हो कर इस संसार से चले गए हैं।

श्री जोगेन्द्र पाल पांडे भी अब इस दूनिया को छोड़ कर जा चुके हैं। वे भी इस हादसे के ि ाकार हुए हैं।

इसी प्रकार से हमारे साथी हनुमान सिंह जी भी चले गए हैं। वे युवा कांग्रेस के प्रैजीडेंन्ट भी थे और हमारे कुलीग तथा इस सदन के मैम्बर भी थे। वे भी इस दुनिया को अचानक दिल का दौरा पड़ने की वजह से छोड़ कर चले गए है।

श्री धर्मपाल सिंह मलिक, जो लोक सभा के सदस्य हैं, की युवा पत्नी को भी मौत हो गई और उनके साथ–साथ उनके मासूम बच्चे की भी मौत हो गई हैं। इन सब के लिए हम भगवान से प्रार्थना करते हैं कि उनकी आत्माओ को भाांति दे और उनके परिवारों को यह दु:ख सहन करने की हिम्मत दे। इन्हीं चन्द भाब्दों के साथ मैं अपना स्थान लेता हूं।

श्री अध्यक्ष: आनरेबल मैम्बर्ज पिछले सै ान के बाद कई इम्पोटैंट परसनैलिटीज इस संसार से चली गई हैं।

श्री जगदी ा कुमार बैनीवाल हमारी पिछली विधान सभा के मैम्बर थे। वे एक यंग लीडर थे तथा अपने एरिया में काफी पापुलर थे। उनकी डैथ से एक अच्छा लैजिस्लेटर हमसे बिछुड़ गया।

चौधरी हनुमान सिंह बि ानोई हमारी सभा के युवा लैजिस्लेटर थे। 1985 में टोहना असैम्बली कांस्टीच्यूएंसी से इलैक्ट होकर हमारे बीच आए। उनका व्यवहार व कन्डक्ट हम किसी से भी अनजाना नहीं हैं। हम सब उनके अच्छे स्वभाव से बहुत ही प्रभावित थे। जब भी मैंने उनको देखा, उनके मन में कभी भी गुस्सा और मलाल देखने में नहीं आया। उनकी अचानक व अनटाईमली डैथ से हमने एक अच्छा लैजिस्लेटर खो दिया है।

वैद्य राम दयाल, काम्पोजिट पंजाब स्टेट में एम0 एल0 ए0 रहे। वे एक समाज सेवी तथा पापुलर नेता थे। उनकी डैथ से एक अच्छा पौलिटीि ायन हमसे बिछुड़ गया।

श्री जोगेन्द्र पाल पांडे हमारी सिस्टर स्टेट पंजाब के फोरमर मिनिस्टर थे। वे एक बहुत ही पापुलर सो ाल वर्कर थे। वे पंजाब कांग्रेस आई पार्टी के जनरल सैक्रेटरी थे। उन्होंनें राज्य की व जनता की काफी लम्बे समय तक मेहनत करके सेवा की। पंजाब स्टेट में उनकी कमी काफी दिनों तक महसूस होगी।

श्री राज नारायण एक वैटरन सो ालिस्ट लीडर थे। वे फोरमर यूनियन मिनिस्टर तथा सो ालिस्ट पार्टी के प्रजीडैन्ट थे। लगभग 4 डीकडेज तक पौलिटिक्स में रह कर उन्होंनें काफी पापुलैरिटी गेन की।

डा0 हरेकृ ण महताब, उड़ीसा के फोरमर चीफ मिनिस्टर तथा यूनियन मिनिस्टर थे। वे एक जाने माने फ्रीडम फाईटर तथा सीजन्ड पार्लियामैन्टेरियन थे।

श्री हरेकृ ण महताब, उड़ीसा के फोरमर चीफ मिनिस्टर थे। वे बिहार की पौलिटिक्स में काफी लम्बे समय तक रहे। वे अपनी मेहनत व सेवा से बहुत पावरफुल पौलिटि ियन बन गए थे। राज्य की सेवा करते हुए 78 वर्श की आयु मे वह चल बसे।

श्री भक्तवत्सलम तमिलानाडु के फोरमर चीफ मिनिस्टर थे। वे काग्रेस के बैटरन लीडर तथा एबल एडमिनिस्ट्रेटर थे। उनकी डैथ से कन्ट्री ने एक ग्रेट पौलिटि ियन खो दिया।

श्री एम0 कुटप्पन हमारी स्टेट के एक सीनियर आई0 ए0 एस0 आफिसर थे। वे एक ग्रेट एडमिनिस्ट्रेटर, स्कौलर व इंटेलेक्चुअल थे। उन्होंनें जनेवा में इंटरने ानल इंस्टीच्यू ान फार लेवर स्टडी में भी ट्रेनिंग प्राप्त की। बहुत सी इम्पोटैंन्ट पोस्टस पर रहकर उन्होंनें स्टेट व पब्लिक की सेवा की। वे जहां भी रहे उन्होंनें अपने लम्बे एक्सपीरियंस व काबलियत से मार्ग द र्ान किया। उनकी अनटाईमली और सडन डैथ से हम सब को काफी लौस हुआ हैं।

श्रीमति मलिक, वाईफ आफ श्री धर्मपाल सिंह मलिक, एम0 पी0 व उनके पुत्र की अचानक डैथ से हम सब को बड़ा धक्का लगा हैं।

चौधरी प्रभु सिंह एक्स–मिनिस्टर व एक्स एम0 पी0 सूबेदार के नाम से म ाहूर हुए। उनको कई दफा मैं मिला। जब हमारी उनसे बात होती थी तो वे कहते थे कि सूबेदार का औहदा बड़ा हैं और मिनिस्टर का औहदा छोटा हैं। वे बड़े मेहनती और सीजन्ड पौलिटीि ायन थे। वे हर वक्त हंसते रहते थे। जब भी हमारे साथ उनकी बात चलती तो वे बाबू जगजीवान राम व दूसरे जो हरिजन लीडर थे उनके कार्य के साथ अपने कार्य को कम्पेयर करते थे ओर बताते थे कि मैं उनके मुकाबले कितना काम कर रहा हूं। वे कहते थे कि तारासिंह लोग हमें बना तो देते हैं लेकिन हमारा भी फर्ज हैं कि हमें भी उनको कुछ देना चाहिए। आज हमको उनकी जिन्दगी से सबक हासिल करना चाहिए।

मैं इन सब पर्सनेलटीज को, जिनकी अभी चर्चा हुई हैं, होमेज पे करता हूं और हाउस की डीप सिम्पैथीज को ब्रीव्ड फैमिलीज तक पहुंचा दूंगा।

अब मैं हाउस से रिक्वैस्ट करूंगा कि इन डिपार्टिंड लीडर्ज की मैमोरी में खड़े हो कर 2 मिनट की साइलैंस ओबजर्ब करें।

इस समय सदन ने दिवंगत नेताओं के सम्मान में खड़े हो कर दो मिनट का मौन धारण किया

अध्यक्ष द्वारा घोशणा

(I) पैनल आफ चेयरमैन

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, हरियाणा विधान सभा के रूल्ज औफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट औफ बिजनैस के रूल 13 (1) के अनुसार मैं फौलोंइग मैम्बर्ज को पैनल औफ चेयरमैन में काम करने के लिए नोमिनेट करता हूं:

1. चौधरी इन्द्र सिंह नैन

2. श्री कंवल सिंह

3. श्री भले राम

4. चौधरी रो ान लाल आर्य

(I) कमेटी औन पैटी ान्ज

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, हरियाणा विधान सभा के रूल्ज औफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट औफ बिजनैस के रूल 286 (1) के अनुसार मैं फौलोइंग मैम्बर्ज को कमेटी औन पैटी ान्ज मे काम करने के लिए नोमिनेट करता हूं–

1. श्री वेद पाल, डिप्टी स्पीकर, एक्स औफि ियो चेयरमैन

2. चौधरी बलवीर सिंह ग्रेवाल

3. चौधरी लीला कृ ण

4. श्री मोहन लाल पीपल

5. चौधरी रो ान लाल आर्य

अनुपस्थिति की अनुमति

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, मुझें श्री अमीर चन्द्र मक्कड़ एम0 एल0 ए0 की आरे से एक लैअर मिला हैं जो इस प्रकार हैं

"Due to serious illness of my mother, I am unable to attend the Budget Session starting from 23rd February, 1987"

Question is-

That permission for leave of absence for the current Budget Session of Haryana Vidhan Sabha be granted.

Voices: Yes, yes.

The motion was carried.

सचिव द्वारा घोशणा

राश्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलों सम्बन्धी

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अब सैक्रेटरी एक अनाउसमैंट करेंगे।

Secretary: Sir, I beg to lay on the Table a statement showing the Bills which were passed by the Haryana Legislative Assembly during its November-December Session,

1986, and have since been assented to by the President/Governor.

STATEMENT

1. The Haryana Ceiling on Land Holdings (Amendment) Bill, 1986.

2. The Punjab Agricultural Produce Markets (Haryana Amendment) Bill, 1986.

3. The Haryana Development and Regulation of Urban Areas (Amendment) Bill, 1986.

4. The Faridabad Complex (Regulation of Urban Areas (Amendment) Bill, 1986.

5. The Haryana Forest Development Repeal Bill, 1986.

6. The Haryana General Sales Tax (Third Amendment) Bill, 1986.

7. The Haryana Co-operative Societies (Third Amendment) Bill, 1986.

8. The Punjab Land Regenue (Haryana Amendment) Bill, 1986.

9. The Haryana Land Holdings Tax (Repeal) Bill, 1986.

10. The Indian Stamp (Haryana Amendment) Bill, 1986.

11. The Punjab Ayurvedic and Unani Practitoners (Haryana Amendment and Validation) Bill, 1986.

12. The haryana Legislative Assembly (MedicalFacilities to Members) Bill, 1986.

13. The Haryana Legislative Assembly Speaker[s Pension and Medical Facilities (Repeal) Bill, 1986.

14. The Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members Second Amendment Bill, 1986.

15. The Haryana Appropriation (No.3) Bill, 1986.

16. The Kurukshetra University Bill, 1986.

17. The Haryana General Sales Tax (Fourth Amendment and Validation) Bill, 1986.

18. The Medical College Rohtak (Conditions of Service of Teachers) Bill, 1986.

19. The Punjab Town Improvement (Haryana Amendment) Bill, 1986.

बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट

श्री अध्यक्ष: मैं बेरियस बिजनैस के बारे में बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी द्वारा फिक्स किया गया टाईम टेबल रिपोर्ट करता हूं–

"The Committee met at 11.00 A.M. on Monday, the 23rd February, 1987, in the Chamber of the Hon'ble Speaker.

The Committee recommends that unless the Speaker otherwise directs the Assembly, whilst in session, shall meet on Monday at 2.00 P.M. at adjourn at 6.30 P.M. and on Turesday, Wednesday, Thursday and Friday at 9.30 A.M and adjourn at 1.30 P.M. without question being put.

The Committee further recommends that on Friday, the 27th February, 1987 therw will be no sitting of the Sabha and on Tuesday, the 10th March, 1987 the Assembly shall meet at 9.30 A.M. and adjourn after the conclusion of the business entered on the list of Business for the day.

The Committee, after some dscussion also recommends that the business on the 23rd to 25th February, 1987, 2nd to 6th March, 1987 and 9th March to 10th March, 1987 be transacted by the Sabha as follows:-

	S.No.	
THE HOUSE WILL MEET IMMEDIATELY HALF AN HOUR AFTER THE CONCLUSION OF THE GOVERNOR'S ADDRESS ON THE 23RD FEBRUARY, 1987	1	1.Laying a copy of the Governor's Address on the Table of the House.
	2	Obituary references.
	3	Presentation and adoption of the First Report of the Buusiness Advisry committee.

	4	Papers to be laid/re-laid on the Table of the House
	5.	Presentation of Report of the Select Committee on the Indian Electricity Haryana Amendment) Bill, 1986.
	6	Presentation of four Preliminary Reports of the Committee of Privileges and extension of time for presentation of the final reports theron.
Tuesday, the 24th February, 1987 (9.30 A.M.)	1	Question Hour
	2	Presentation of Exesss Demands over Grants and Appropriations for the years 1981-82 and 1982-83.
	3	Presentation of Supplementary Estimates (Second

		Instalment) for the year 1986&87 and the report of the eStimates Committee theron
	4	Doscissopm pm Gpvermprs Address/
Wednesday, the 25th February, 1987 (9.30 A.M.)	1	Question Hour
	2	Resumptin of discussion on Governor's Addrss and voting on Motion of Thanks.
	3	Discussion and Voting on the eXcess Demands over Grants and Appropriations for the years 1981-82 and 1982-83.
	4	Discussion and Voting on the Supplementary Estimates (Second Instalment) for the year 1986-87.

Thursday, the 26th February, 1987.		Holiday
Friday, the 27th February, 1987		No sitting
Saturday, the 28th February, 1987		Off day
Sunday, the 1st March, 1987		Holiday
Monday, the 2nd March, 1987 2.00 P.M)	1	Question Hour
	2	Presentation of the Budget for the year 1987-88
Tuesday, the 3rd March, 1987 (9.30 A.M)	1	Question Hour
	2	General Discussion on the Budget for the year 1987-88
Wednesday, the 4th March, 1987 (9.30 A.M)	1	Question Hour
	2	papers to be laid on teh Table of the House, if any,
	3	Resumption of General Discussion on the Budget for the

		year 1987-88 and reply by the Finance Minister.
Thursday, the 5th March, 1987 (9.30 A.M)	1	Question Hour
	2	Non-Official Business.
Friday, the 6th March, 1987 (9.30 A.M)	1	Questin Hour
	2	Presentation of Reports of the Assembly Committees.
	3	Discussion and voting on Demands from grants on the Budget for the year 1987-88
Saturday, the 7th March, 1987		Off day
Sunday, the 8th March, 1987		Holiday
Monday, the 9th March, 1987 (2.00 P.M.)	1	Question Hour
	2	Presentation of Reports of the Assembly

		Committees.
	3	The Haryana Appropriation Bill, 1987 in respect of Excess Demands over Grants and Appropriations for the year 1981-82.
	4	The Haryana Appropriation Bill, 1987 in respect of Execss Demands over Grants and Appropriations for the year 1982-83.
	5	The Haryana Appropriation Bill, 1987 in respect of Supplementary Estimates (Second Instalment), for the year 1986-87
Tuesday, the 10th March, 1987 (9.30 A.M.)	1	Question House
	2	Motion under rule 15 regarding non-stop sitting.

	3	Motion uder rule 16 regarding adjournment of the Sabha sine-die
	4	The Haryana Approptiation Bill, 1987 in respect of the Budget for the year 1987-88
	5	Legislative Business.
	6	Any other Business.

अब पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर यह प्रस्ताव करेंगे कि यह हाउस बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की फर्स्ट रिपोर्ट में दी गई रिकोमैन्डे ान्ज से सहमति प्रकट करता हैं।

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala): Speaker, Sir, I beg to move-

That the House agrees with the recommendations contained in the First Repot of the Business Advisory Committee.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पे ा हुआ–

कि यह हाउस बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की फर्स्ट रिपोर्ट में दी गई रिकोमैन्डे ान्ज से सहमति प्रकट करता हैं।

श्री अध्यक्षः प्र न हैं–

कि यह हाउस बिजनैस ऐडवाइजरी की कमेटी की फर्स्ट रिर्पोट में दी गई रिकोमैन्डे ान्ज से सहमति प्रकट करता है।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

सदन की मेज पर रखे गए/पुनः रखें गए कागज–पत्र

(क) सिंचाई तथा बिजली मंत्री द्वारा

श्री अध्यक्षः अब मिनिस्टर साहब, टेबल औफ दी हाउस पर पेपर ले करेंगे।

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala): Sir, I beg to lay on the Tabel the Punjab Backward Classes (Grant of Loans) Haryana Amendment Ordinance, 1987 (Haryana Ordinance No. 1 of 1987).

(ख) सचिव द्वारा–

श्री अध्यक्षः अब सैक्रेटरी टेबल औफ दी हाउस पर पेपर री–ले करेंगे।

Secretary: Sir, I beg to re-lay on the Table, the Haryana Legislative Assembly (Disqualification of FMembers on Ground of Defection) Rules, 1986, framed by the Speaker,

Haryana Legislative, Assembly, in exercise of the powers conferred by paragraph 8 of the Tenth schedule to the Constitution of India, as required under sub-paragraph 8 of the Tenth schedule to the Constitution of India, as required under sub-paragraph (2) thereof.

(ग) सिंचाई तथा बिजली मंत्री द्वारा

श्री अध्यक्ष: अब मिनिस्टर साहब टेबल औफ दी हाउस पर पेपर्ज ले/री ले करेंगे।

Irrigation & Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surejewala): Sir, I beg to re-lay on the Table-

The General Administration Departement Notification No. G.SR. 45/Const/Art.320/Amd. (1) 86, dated the 3rd June, 1986 regarding the Haryana Public Service Commssion (Limitation of Functions) First Amendment Regulations, 1986, as required under Article 320 (5) of the Constitution of India.

The General Administration Departement Notification No. G.SR. 46/H.A.3/70/S.8 &9/86 , dated the 5th June, 1986 regarding the Haryana Ministers Travelling Allowance (First Amendment) Rules 1986, as required under section (2) of the Haryana Salaries and Allowances of Ministers Act,1970.

The Excise and Taxation Department Notification No.l G.S.R. 34/H.A.20/70/S.64/Amd. (Ist Amd.)/86, dated the 6th May, 1986 regarding the Haryana (First Amendment) Rules,

1986; as required under section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

The Transport Department Notification No G.S.R.41/C.A..4/39/S.24&41/86, dated the 23rd May, 1986, regarding the Punjab Motor Vehicles Haryana (First Amendment) Rules, 1986 as required under section 133(3) of the Motor Vehicles Act, 1939.

The Transport Department Notification No G.S.R.41/C.A..4/39/S.24&41/86, dated the 30th May, 1986, regarding the Punjab Motor Vehicles Haryana (Second Amendment) Rules, 1986 as required under section 133(3) of the Motor Vehicles Act, 1939.

The Transport Department Notification No G.S.R.41/C.A..4/39/S.24&41/86, dated the 16th July, 1986, regarding the Punjab Motor Vehicles Haryana (Third Amendment) Rules, 1986 as required under section 133(3) of the Motor Vehicles Act, 1939.

The General Administration Deptt,Notification No. G.S.R. 63/H.A.9/79/S.8/86, dated the 5th September, 1986, regtarding the Haryana legislative Assembly (Facilities to Members) First Amendment Rules, 1986 as required under section 9(3) of the Haryana Legislative Assembly (Facilities to members Act[1979.

Sir, I also beg to lay on the Table-

The Excise and Taxation Department Notification No.G.S.R.63/H.A.9/79/S.8//86, dated the 30th January, 1987 regarding the Haryana General Sales Tax (First Amendment)

Rules, 1987, as required under section 64(3) of the Haryana General Salex Tax Act, 1973.

The 18th Annual Report and Accounts of the Haryana Agro-Industries Corporation Ltd. for the year 1984-85, as required under section 619-A (3) of the Companies Act, 1956.

सिलैक्ट कमेटी की रिपोर्ट पे ा करना

इंडियन इलैक्ट्रिसिटी (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1986 सम्बन्धी

श्री अध्यक्ष: अब सिलैक्ट कमेटभ के चेयरमैन आनरेबल डिप्टी स्पीकर इन्डियन इलैक्ट्रिसिटी हरियाणा अमैंडमैंट बिल, 1986 पर सिलैक्ट कमेटभ की रिपोर्ट पे ा करेंगे।

Shri Ved Pal(Chairman, Select Committee): Sir, I beg to present the report of the Select Committee on the Indian Electricity (Haryana Amendment) Bill, 1986.

ब्रीच आफ प्रिविलेज के मामलों सम्बन्धी प्रिविलेजिज कमेटी की प्रिलिमिनरी रिपोर्ट पे ा करना तथा अन्तिम रिपोर्ट पे ा करने के लिए समय बढ़ाना–

(1) **24–5–1982 को राज्यपाल में हरियाणा के राज्यपाल का कथित अपमान करने, गाली देने तथा बल प्रयोग करने के लिये चौधरी देवी लाल, एम0 एल0 ए0 के विरूद्ध**

श्री अध्यक्षः अब चौधरी इन्द्र सिंह नैन एम0 एल0 ए0 चेयरमैन प्रिविलेजिज कमेटी, 24 मई, 1982, को राजभवन में चौधरी देवी लाल, एम0 ए0 द्वारा गवर्नर आफ हरियाणा की अलैन्ड इंसल्ट ऐब्यूज एन्ड मैनहैडलिंग के इ ा पर कमेटी की ग्यारहवीं प्रिलिमिनरी रिर्पोट प्रेजैन्ट करेंगे तथा कमेटी की फाईनल रिर्पोट पे ा करने के लिये टाईम ऐक्सटैन् ान को मो ान मूव करेंगे।

Chaudhri Indeer singh nain (Chairman, Committee of Privileges): Sir, I beg to present the Eleventh Preliminary Report of the Committee of Privilege, on the matter in regard to the question of alleged breach of privilege against Chjaudhri Devi Lal. M.L.A for alleged insulting, abusing and man handling the Governor of Haryana in Raj Bhjawan on the 24 the 24th May, 1982.

Sir, I also beg to move-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first of the next session.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पे ा हुआ.

कि कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रेजैन्ट करने के लिये नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिटिंग तक टाईम ऐक्सटैन्ड कर दिया जाए।

श्री अध्यक्षः प्र न हैं–

कि कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रेजैन्ट करने के लिये नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिटिंग तक टाईम ऐक्सटैन्ड कर दिया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(ii) 24—6—1982 को सदन में राज्यपाल के अभिभाशण के बवसर पर उनके कथित अवचार सम्बन्धी चौधरी देवी लाल, एम0 एल0 ए0 के विरूद्ध

श्री अध्यक्षः अब चौधरी इन्द्र सिंह नैंन, एम0 एल0 ए0 चेयरमैन, प्रिविलेजिज कमेटी 24 जून 1982 को चौधरी देवी लाल, एम0 एल0 ए0 के अलैज्ड मिस कंडक्ट आन दी ईव आफ गवर्नर्ज एड्रैस टू दी हाउस के इ ा पर कमेटी की ग्यारहवीं प्रिलिमिनरी रिपोर्ट प्रैजेन्ट करेंगे तथा कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रेजैन्ट करने के लिए टाईम ऐक्सटैन् ान का मो ान मूव करेंगे।

Chaudhri Inder Singh Nain (Chairman, Cimmittee of Privileges): Sir, I beg to present the Eleventht Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to question of alleged breach of privilege against Chaudhri Devi Lal M.L.A regarding his alleged misconduct on the eve of Gopvernor's Address to the Hous on the 24th June, 1982.

Sir, I also beg to move-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पे ा हुआ।

कि कमेटी की फाइनल रिपार्ट प्रजैन्ट करने के लिये नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिंटिग तक टाइम ऐक्सटैन्ड कर दिया जाए।

श्री अध्यक्षः प्र न हैं–

कि कमेटी की फाइनल रिपार्ट प्रजैन्ट करने के लिये नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिंटिग तक टाइम ऐक्सटैन्ड कर दिया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(iii) चौधरी हरद्वारी लाल, भूतपूर्व उप–कुलपति महर्शि दयानन्द यूनिवर्सिटी रोहतक, के विरूद्ध

श्री अध्यक्षः अब चौधरी इन्द्र सिंह नैन, एम0 एल0 ए0 चेयरमैन, प्रिविलेजिज कमेटी क्वै चर आफ अलैज्ड ब्रीच आफ प्रिविलेज एगेन्स्ट चौधरी हरद्वारी लाल, एक्स वाईस चांसलर, महर्शि दयानन्द यूनिवर्सिटी कास्टिंग एस्प र्न्ज आन दी मैम्बर्ज एन्ड लोअरिेग दी इमेज एन्ड प्रैस्टिजल आफ दी हाउस एन्ड इटस मैम्बर्ज के इ ू पर कमेटी की नौवी प्रिलिमिनरी रिपोर्ट प्रेजैनट करेंगे तथा कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रेजैन्ट करने के लिए टाईम ऐक्सटैन् ान का मो ान मूव करेंगे।

Chaudhri Inder Singh Nain (Chairman Committee of Privileges): Sir, I beg to present the Ninth Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privilege against Chaudhri Hardwari La, Ex-Vice Chancellor Maharshi Dayanand Universiity, Rohtak for his writi9ng boollet "Legislature, Judiciary, Press and Universities" casting aspersions on the Members and lowering the image and prestige of the House and its Members.

Sir, I also beg ot move-

That the time for the presentationm of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next session.

श्री अध्यक्ष: प्रस्ताव पे ा हुआ–

कि कमेटी की फाईनल पिरपार्ट प्रेजैन्ट करने के लिये नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिंटिग ऐक्सटैन्ड कर दिया जाए।

श्री अध्यक्ष: प्र न हैं–

कि कमेटी की फाईनल पिरपार्ट प्रेजैन्ट करने के लिये नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिंटिग ऐक्सटैन्ड कर दिया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(iv) 16–9–1985 के दैनिक इंडियन ऐक्सप्रैस में छपे एक समाचार के सम्बनध में डा0 भीम सिह दहिया, एम0 एल0 ए0 के विरूद्ध

Mr. Speaker: Now, Chaudhri Inder Sing Nain,M.L.A. Chairman, Privileges Committee, question of alleged breachy of privilege against Dr. Him Singh Dahiya, M.L.A. in respect of a news item in daily Indian Exppress dated 16th September, 1985, captioned :Lok Dal M.L.A. As refuse to meet the Speaker" casting reflectionon the impartiality of the Speaker in the discharge of his duties के इ ू पर कमेटी की फोर्थ प्रिलिमिनरी रिर्पोट प्रैजेन्ट करेंगे तथा कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रैजेन्ट करने लिए टाईम ऐक्सटैन् ान का मो ान मूव करेंगे।

Chaudhri Inder Singh Nain (Chairman, Committee of Privileges): Sir I beg ot present the Fourth Preliminary Report of the Committee of Privilges on the matter in regard to the question of alleged breach of item in daily Indaian Express dataed the 16th September, 1985, Captioned "Lok Dal MLAs refuse tro meet trhe Speaker" casti9ng reflection on the impartiality of the Speaker in the discharge of his duties.

Sir, I also beg ot move-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next session.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पे ा हुआ–

कि कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रैजेन्ट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिंटिग तक टाईम ऐक्सटैन्ड कर दिया जाए।

श्री अध्यक्षः प्र न हैं

कि कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रैजेन्ट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिंटिग तक टाईम ऐक्सटैन्ड कर दिया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्षः अब हाउस कल प्रातः 9.30 बजे तक के लिए ऐडजर्न किया जाता हैं।

16.31 बजे

(तत्प चात सदन मंगलवार, 24 फरवरी, 1987 को प्रातः 9.30 बजे तक के लिए स्थगित हुआ)